www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

तेरे गिरने में, तेरी हार नहीं,
तू इन्सान है, अवतार नहीं..
गिर, उठ, चल, दौड, फिर भाग
क्योंकि,
जीत संक्षिप्त है, इसका कोई
सार नहीं..

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-14 ❖ मुंबई ❖ रविवार 28 मार्च से 03 अप्रैल 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
यूपीए को लेकर राउत-पाटोले में कहासुनी तेज

पेज 5
PM मोदी का स्क्रू ढीला है, ग्रोथ गिर रही और उनकी दाढ़ी बढ़ रही है: ममता बनर्जी

पेज 7
लंबे ब्रेक के बाद बॉलिवुड में लौट रहीं प्रियंका चोपड़ा, बताया- कब आ रही है फिल्म

पेज 8
वृंदावन पृथ्वी का हृदय है, धड़कन है, स्पंदन है हाथ से छूटे वह त्याग, हृदय से छूटे वह वैराग्य

महाराष्ट्र में नाइट कर्फ्यू का एलान..

क्या खुला-क्या बंद? जानें हर जानकारी

मुंबई, महाराष्ट्र में कोरोना वायरस ने एक बार फिर से तबाही मचाना शुरू कर दिया है। गुरुवार को 24 घंटों के भीतर महाराष्ट्र में कोरोना के रेकॉर्ड 35 हजार 952 नए मामले सामने आए थे। शुक्रवार को प्रदेश में कोरोना के 36,902 नए मामले सामने आए और 112 लोगों की मौत हुई। ऐसे में इस स्थिति से निपटने और कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रदेश उद्धव ठाकरे सरकार ने नाइट कर्फ्यू (Night Curfew In Maharashtra) का ऐलान किया है। इसके अलावा राज्य सरकार ने लोगों से कोरोना से संबंधित नियमों का पालन करने की अपील की है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने साफतौर पर कहा है कि अगर लोग नियमों का ठीक से पालन नहीं करते हैं और कोरोना के मरीजों की बढ़ती संख्या में कमी नहीं आती है तो इसे लेकर आगे और कड़े कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने लोगों से नाइट कर्फ्यू और नए दिशानिर्देशों का ठीक से पालन करने की अपील की है। आइए, महाराष्ट्र में नाइट कर्फ्यू से जुड़े दिशानिर्देशों के बारे में आपको बताते हैः महाराष्ट्र में नाइट कर्फ्यू कब से लगेगा? कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए उद्धव ठाकरे सरकार ने 28 मार्च रविवार से महाराष्ट्र में नाइट कर्फ्यू लगाने का ऐलान किया है। कब से कब तक रहेगी पाबंदी रहेगी? नाइट कर्फ्यू के तहत मॉल्स तथा अन्य प्रतिष्ठान रात 8 बजे से लेकर सुबह 7 बजे तक बंद रहेंगे। कब तक रहेगा नाइट कर्फ्यू? महाराष्ट्र सरकार ने कहा है कि नाइट कर्फ्यू के दौरान कोरोना के मामलों को मॉनिटर किया जाएगा। 2 अप्रैल तक उन पर नजर रखी जाएगी। उसके बाद परिस्थिति के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। नए दिशानिर्देश के तहत किन चीजों के लिए होगी अनुमति? महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक के वक्त को छोड़कर बाकी समय मॉल, मार्केट, सिनेमा हॉल को 50 फीसदी क्षमता के साथ खुलने की छूट रहेगी। अंतिम संस्कार में 20 लोग शामिल हो सकते हैं। गाइलाइन्स में किन चीजों पर रोक? नए गाइडलाइन्स के मुताबिक, प्रदेश में सभी प्रकार के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर रोक रहेगी। शादी समारोह में 50 से ज्यादा लोगों को नहीं बुलाया जा सकेगा। क्या फिर से लग सकता है लॉकडाउन? अनियंत्रित कोरोना के मामलों को रोकने के लिए सीएम उद्धव ठाकरे ने नाइट कर्फ्यू का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अगर मरीजों की संख्या में कमी नहीं आई तो नियमों को और सख्त किया जा सकता है। अजित पवार ने कहा कि अगर लोग कोरोना नियमों का पालन ठीक से नहीं करते तो लॉकडाउन के अलावा कोई चारा नहीं होगा। कोरोना को लेकर स्वास्थ्य विभाग की क्या है तैयारी? राज्य सरकार का निर्देश है कि जहां पर कोरोना मरीज हैं, वहां फायर सुरक्षा का ध्यान रखा जाए। साथ ही वेंटिलेटर, ऑक्सिजन और आईसीयू की संख्या बढ़ाई जाए। इसके अलावा निजी अस्पतालों में एक बार फिर 50 प्रतिशत बेड कोरोना मरीजों के लिए आरक्षित करने के लिए कहा गया है।

बे-रंग हुई होली... हजारों करोड़ों का नुकसान

कोविड-१९ की दूसरी लहर ने इस होली के रंग को फीका कर दिया है। खासकर कारोबारियों को इस होली में बड़े पैमाने पर नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। न केवल व्यापारी बल्कि ट्रांसपोर्ट, कपड़ा, मिष्ठान, वैâ टरर्स, कलाकारों आदि को बड़े पैमाने पर नुकसान उठाना पड़ेगा। दिसंबर-जनवरी महीने से हालात सुधर रहे थे लेकिन मार्च महीने की शुरुआत से कोरोना महामारी ने फिर स्थिति बिगाड़ दी है। कोरोना के नए स्ट्रेंथ के मरीज भी मिले हैं। कोरोना से बचाव के लिए सरकार ने प्रतिबंध लगाए हैं। ऐसे में कारोबारियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। कोरोना ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। व्यापार जगत की तो कमर ही टूट गई है। उन्होंने होली से उम्मीदें रखी थीं उस पर पानी फिर गया। कारोबारियों को इस बार होली के त्यौहार पर अच्छी बिक्री की उम्मीद थी। लिहाजा व्यापारियों ने होली से संबंधित सामानों का स्टॉक भर लिया था। बीते दिनों से जिस कदर कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं उससे कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कोरोना से बचाव के लिए सरकार द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। ऐसे में खरीदी बिक्री में विपरीत परिणाम पड़ रहा है। खासतौर पर होली में मिठाई, अबीर गुलाल, नमकीन, ड्राई प्रूट, खिलौने होलिका में कच्ची लकड़ी, कुर्ता-पाजामा टी शर्ट होली साड़ी, ठंडाई, कोल्ड ड्रिंक जैसे व्यापार पर बड़े पैमाने पर असर पड़ेगा।

असम के 34 में 11 जिले मुस्लिम बहुल, जानें अमित शाह ने लैंड जिहाद का मुद्दा क्यों उठाया?

गुवाहाटी, असम के मोरीगांव में अपनी चुनावी रैली के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लव और लैंड जिहाद पर कानून बनाने की बात कही है। असम में चुनाव प्रचार करने के लिए पहुंचे शाह ने यहां पर लोगों से वादा किया कि अगर इस बार भी उनकी सरकार आती है तो लैंड और लव जिहाद पर कानून बनाया जाएगा। शाह के उस बयान को 2011 की जनगणना के उस आंकड़े से जोड़ा जा रहा है, जिसमें असम में मुस्लिमों की 30 फीसदी आबादी की बात कही गई थी। इसके अलावा शाह ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में शामिल बदरुद्दीन अजमल की पार्टी पर भी जमकर कटाक्ष किया। शाह के इस बयान की पृष्ठभूमि में बदरुद्दीन अजमल थे, जिनपर बीजेपी ने जमकर हमला बोला। शाह ने भी असम की रैली में कहा कि वह AIUDF के चीफ बदरुद्दीन अजमल को असम की पहचान नहीं बनने दे सकते। बीजेपी आरोप लगाती रही है कि बदरुद्दीन अजमल की सरकार आई तो असम में घुसपैठ और लव जिहाद जैसे मामले बढ़ेंगे। बीजेपी के कई नेता ऐसे दावे करते रहे हैं कि असम में कांग्रेस की सरकार के समय में मुस्लिम जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और इसके कारण यहां लव जिहाद और घुसपैठ जैसे अपराधों को राजनीतिक संरक्षण भी मिलता रहा है।

2011 में 5 से 30 फीसदी हो गई मुस्लिम आबादी? कुछ रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए बीजेपी नेता आरोप लगाते रहे हैं कि असम में 2001 में मुस्लिमों की जो जनसंख्या 5 फीसदी थी, वह 2011 की जनसंख्या के दौरान 25 फीसदी तक हो गई। ऐसे में आने वाले वक्त में घुसपैठ के प्रभाव से असम एक मुस्लिम बाहुल्य प्रदेश बन जाएगा, जहां पर बाहरी तत्वों का बड़ा दखल भी होगा। असम में घुसपैठ का मुद्दा चुनावी रैलियों का बड़ा विषय रहा है और बीजेपी एक लंबे वक्त से यह कहती रही है कि उसकी सरकार आने के बाद घुसपैठियों को असम से बाहर किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का नरेडको ने किया स्वागत

मुंबई, सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में लोन मोरेटोरियम के केस पर अपना फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पूर्ण ब्याज की छूट संभव नहीं है क्योंकि इसका सीधा असर जमाकर्ताओं पर पड़ेगा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अपने पैâसले में मोरेटोरियम की अवधि को भी बढ़ाने से मना कर दिया लेकिन अच्छी बात ये है कि इस अवधि के दौरान चक्रवृद्धि ब्याज नहीं लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के इस पैâसले का स्वागत नेशनल रीयल स्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) महाराष्ट्र ने किए हैं। सुप्रीम कोर्ट के पैâसले के अनुसार चक्रवृद्धि ब्याज नहीं लिया जाएगा। इसका सीधा-सा मतलब है कि आपको ब्याज पर ब्याज नहीं चुकाना होगा, जिसे हम चक्रवृद्धि ब्याज कहते हैं। लोन मोरेटोरियम मामले में यह पैâसला एक बड़ी राहत देनेवाला है। नहर ग्रुप की उपाध्यक्ष और नरेडको महाराष्ट्र की वरिष्ठ अध्यक्ष मंजू याग्निक ने सुप्रीम कोर्ट के इस पैâसले का स्वागत करते हुए बताया कि 'सुप्रीम कोर्ट का निर्णय २ करोड़ रुपए तक के ऋण के लिए छोटे उधारकर्ताओं को संभालने का एक स्वागत योग्य कदम है।

डिप्टी CM ने चेताया- हालात नहीं संभले तो लगेगा सख्त लॉकडाउन

बीड। महाराष्ट्र में कोरोना के नए मामले डराने लगे हैं। मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे प्रमुख शहरों में भी संक्रमितों का आंकड़ा तेजी से बढ़ा है। दूसरी लहर ने राज्य को प्रभावित किया है, पुणे में कोरोना की रफ्तार तेज हो गई है। जिसके बाद डिप्टी CM अजित पवार ने कहा कि यदि हालात नहीं संभले लोगों ने गाइडलाइंस नहीं मानी, तो 2 अप्रैल के बाद लॉकडाउन पर विचार किया जा सकता है। अजित पवार ने शुक्रवार को पिंपरी-चिंचवाड़ के जिलाधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ मीटिंग की। जिसमें स्थानीय प्रशासन ने 1 अप्रैल से लेकर 14 अप्रैल तक शहर में फिर से हार्ड लॉकडाउन लगाने का प्रस्ताव रखा था, हालांकि पवार ने इसे खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि पुणे शहर में फिलहाल लॉकडाउन नहीं लगेगा। पुणे समेत 9 शहरों में तेजी से बढ़ रहे मरीज महाराष्ट्र के 9 शहरों में पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमितों का आंकड़ा देश में सबसे ज्यादा है। मरने वालों का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ा है। गुरुवार को शहर में 3 हजार 286 नए कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए और 31 लोगों की मृत्यु हो गई। अब तक कोरोना से 5 हजार 137 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। फिलहाल 28 हजार 578 लोगों का इलाज जारी है। बीड में संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद कलेक्टर रवींद्र जगताप ने शुक्रवार से जिले में दस दिन का लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है, हालांकि जरूरी समान लेने के लिए सुबह कुछ समय की छूट भी दी गई है। इससे पहले व्यापारी संगठन ने लॉकडाउन का विरोध कर चुके हैं। इससे पहले नाइट कर्फ्यू भी लगाया था, जो 13 मार्च से लागू किया गया था। इसके तहत शाम 7 बजे से लेकर सुबह 7 बजे तक सड़कों पर आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया था। यहां कंकलेश्वर मंदिर बंद है।

जिले में कोरोना पॉजिटिव की कुल संख्या 23 हजार 98 है। अब तक 611 मरीजों की मौत हो चुकी है।

- पॉजिटिव की दर 13.1%
- मृत्यु दर 2.64%
- रिकवरी दर 91.24%

परली में सख्त लॉक डाउन

परली की बात करें तो यहां व्यापारियों ने सख्ती का विरोध किया है। जिले के ताजा आंकड़ों में 383 कोरोना पॉजिटिव में 33 यही से हैं। जिसके बाद प्रशासन अलर्ट हो गया।

हादसा टल सकता था!.. प्रबंधकों ने की थी नोटिस की अनदेखी

भांडुप के ड्रीम मॉल और उसके ऊपर बने अस्पताल में आगजनी की घटना से मुंबईकरों को सदमा लगा है लेकिन इस बड़े हादसे को टाला जा सकता था। अगर मनपा द्वारा दी गई नोटिस की मॉल और अस्पताल के प्रबंधकों ने अनदेखी नहीं की होती तो यह घटना होना मुश्किल था। इतनी बड़ी संख्या में जानमाल का नुकसान नहीं होता। मनपा ने जनवरी के द्वितीय सप्ताह में ही अग्नि सुरक्षा नियमों के मामले में लापरवाही बरतनेवाले २५० नर्सिंग होम व अस्पतालों और २९ मॉल्स को नोटिस दिया था और उन्हें अगले १२० दिन में अग्नि सुरक्षा नियमों को लेकर सही साधन संसाधन दुरुस्त करने को कहा था। मनपा अग्नि सुरक्षा विभाग की सूची में यह अस्पताल और मॉल दोनों शामिल थे। मनपा अधिकारियों के अनुसार ड्रीम मॉल और सनराइज अस्पताल को पहले ही चेताया गया था लेकिन दोनों ने अपने अग्नि सुरक्षा से जुड़े साधन संसाधन को दुरुस्त करने में खूब लापरवाही बरती है। मनपा ने अब इनके प्रबंधकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। जनवरी में मनपा ने मुंबई के १,१७८ निजी, मनपा और सरकारी अस्पतालों की अग्नि सुरक्षा नियमों को लेकर सर्वेक्षण किया था, जिसमें २५० अस्पताल, तो वहीं ७९ मॉल में से २९ मॉल अग्नि सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ाते पाए गए। इन्हें सख्त हिदायत दी गई थी। भांडुप के ड्रीम मॉल और उसके ऊपर बने सनराइज कोविड अस्पताल में आग लगने से कुल ११ लोगों की मौत हो गई, जबकि ६८ लोगों को मॉल और अस्पताल से बाहर निकालकर बचाया गया। उसमें ४६ लोग झुलस गए हैं। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब भी ४ लोग और सीरियस बताए जा रहे हैं। मनपा दमकलकर्मियों की बड़ी टीम के साथ रोबोट यंत्र सहित लगभग ४० गाड़ियां आग को काबू करने में जुटी रहीं। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इस घटनास्थल का दौरा किया और मृतकों के परिजनों को ५-५ लाख रुपए मदद की घोषणा की। इस मौके पर मनपा महापौर किशोरी पेडणेकर सहित कई बड़े अधिकारियों ने भी घटनास्थल का जायजा लिया।

मॉल के बाद अस्पताल तक पहुंचीं लपटें

प्राप्त जानकारी के अनुसार भांडुप एलबीएस मार्ग पर स्थित ड्रीम मॉल में गुरुवार आधी रात १२ बजे भीषण आग लग गई। ग्राउंड प्लस ४ मंजिल की इस इमारत में दो मंजिल तक मॉल है और तीसरी मंजिल पर सनराइज कोविड अस्पताल है। मॉल में २०० से अधिक वर्गमीटर क्षेत्र में आग धधकने लगी। आग धीरे-धीरे ऊपर तीसरी मंजिल पर स्थित सनराइज कोविड अस्पताल तक पहुंचने लगी। १०७ बेड की क्षमतावाले अस्पताल में ७८ मरीजों का उस समय इलाज हो रहा था। अब भी ४ सीरियस डॉ. मोहरकर के अनुसार, कुल ६८ लोगों को आग से बचाया गया है, जिनमें ४६ लोगों को इलाज के लिए पहले अस्पताल ले जाया गया है, जबकि अब भी कुछ लोगों के फंसे होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं ४ लोगों को सीरियस बताया जा रहा है। घायलों में ३० को जंबो कोविड अस्पताल मुलुंड, फोर्टिज अस्पताल में ४, विराज में २, बीकेसी में १, गोदरेज में १, सारथी में १, अग्रवाल हॉस्पिटल में ५ लोगों को भर्ती किया गया है और २ लोगों को घर भेजा गया है।

वेंटिलेटर्स शिफ्टिंग से कुछ की मौत!

इस घटना में अब तक कुल ११ लोगों की मौत हो चुकी है। ९ लोगों की आग में जलने से तो २ लोगों की कोविड अस्पताल में मौत हुई। सूत्रों की मानें तो यहां अस्पताल में वेंटिलेटर्स पर इलाज करवा रहे मरीजों की शिफ्टिंग के दौरान कई वृद्ध मरीजों की मौत हो गई। मृतकों में निसार जावेद, मुंगेकर, गोविंद लाल दास, मंजुला बाथरिया, अंबाजी नारायण पाटिल, सुनंदा बाई, सुधीर सखाराम लाड, हरीश करमचंद सचदेव, श्याम भक्तिलाल, महादेव शंकर अय्यर, अशोक श्रीपद वाघमारे की मौत हुई है। पुलिस ने मॉल और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज कर इस मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग इस मामले की संयुक्त जांचकर आग लगने के कारणों का पता लगाएंगे।

टीके पर जोर

केंद्र सरकार ने टीकाकरण के अगले चरण में इसका दायरा बढ़ाते हुए इसे 45 साल और उससे ज्यादा उम्र के सभी लोगों के लिए खोलने का उपयुक्त फैसला किया है। देश में जिस तेजी से कोरोना संक्रमण के नए मामले बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए बचाव की रणनीति में भी जरूरी बदलाव करते हुए आगे बढ़ना होगा। बुधवार सुबह जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक 24 घंटों के दौरान देश में 47,262 नए केस दर्ज हुए जो पिछले 132 दिनों का उच्चतम रेकॉर्ड है। रोज आने वाले नए मामलों के अलावा अगर मौजूदा एक्टिव मामलों की बात करें तो बुधवार को यह संख्या 3,68,457 दर्ज की गई। यह लगातार 14 वां दिन था जब इसमें बढ़ोतरी देखी गई। साफ है कि देश में कोरोना के एक बार फिर बेकाबू होने का खतरा बढ़ता जा रहा है। बावजूद इसके, आम लोगों में परस्पर दूरी बरतने और मास्क पहनने की प्रवृत्ति कम होती जा रही है। चाहे बाजारों में खरीदारी की बात हो या होली

और कुंभ जैसे सांस्कृतिक धार्मिक आयोजनों से जुड़े उत्साह की, आम लोगों में अब कोरोना के डर को पीछे छोड़कर बेहिचक आगे बढ़ने का रुझान दिख रहा है जो शासन की ओर से बार-बार की जा रही अपीलों से भी कम नहीं हो रहा। ऐसे में देशव्यापी स्तर पर सख्त लॉकडाउन की अवस्था में वापस लौटना खासा मुश्किल होगा। इकॉनमी की सेहत के लिहाज से भी ऐसा कोई कदम बेहद नुकसानदेह होगा। ऐसे में सबसे व्यावहारिक और उपयोगी कदम यही हो सकता है कि जल्द से जल्द ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन के सुरक्षा घेरे में लेकर वायरस को मात दी जाए। फिलहाल भले 45 साल से ऊपर के लोगों को टीकाकरण के दायरे में लाया गया है, पर टीके की उपलब्धता और स्वास्थ्य तंत्र की क्षमता को देखते हुए आगे इसका दायरा और फैलाने का विकल्प खुला रखना चाहिए। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की यह मांग काबिले गौर है कि युवाओं को भी टीकाकरण के दायरे में लाया जाए। पंजाब में 81 फीसदी नए मामले ब्रिटिश वैरिएंट के पाए गए हैं जो युवाओं में ज्यादा तेजी से फैलते हैं। ब्रिटेन ने मुख्यत: तेज और व्यापक टीकाकरण की नीति के जरिए जिस तरह से कोरोना की दूसरी लहर को काफी हद तक काबू कर लिया है, वह ध्यान देने लायक है। वहां इस साल फरवरी की शुरुआत में रोज 20,000 के आसपास नए केस दर्ज हो रहे थे, मगर 15 मार्च के बाद से यह संख्या पांच-छह हजार के आसपास चल रही है। बहरहाल, टीकों के बारे में अंतिम निर्णय बदलते हालात की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों की टीम ही ले तो बेहतर। हालांकि सारे फैसले राष्ट्रीय स्तर पर लेने के बजाय उसकी प्रक्रिया को विकेंद्रित करना अच्छा रहेगा। इससे विभिन्न राज्यों तथा क्षेत्रों की अलग-अलग स्थितियों की जरूरतों को बेहतर ढंग से समायोजित किया जा सकेगा।

आपदा में अच्छा सिनेमा

किरीट ए. चावड़ा

लंबे इंतजार के बाद बीते सोमवार को 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा हुई तो माहौल में खुशी के साथ-साथ थोड़ी राहत और भावुकता भी पगी हुई थी। विजेताओं और उनके फैंस के बीच खुशी और चूक गए

कलाकारों और उनके प्रशंसकों के बीच हल्की सी मायूसी ऐसे मौके पर हर बार देखने को मिलती है। इस बार खास बात यह रही कि इस पुरस्कार समारोह के आगे और पीछे दोनों तरफ कोरोना वायरस के खौफ का साया पसरा नजर आया। इन पुरस्कारों की घोषणा 3 मई 2020 को होनी थी लेकिन कोरोना के कहर को देखते हुए खामोशी से इसे एक साल के लिए आगे बढ़ा दिया गया। तय हुआ कि 2021 में मई के पहले सप्ताह में दोनों वर्षों के पुरस्कारों की घोषणा एक साथ कर दी जाएगी। मगर कोरोना के नए मामले काफी नीचे चले जाने के बाद दोबारा तेजी से बढ़ने लगे हैं। इसकी दूसरी लहर आधिकारिक तौर पर घोषित हो चुकी है। ऐसे में आशंका यह थी कि कहीं कोरोना दोबारा बेकाबू न हो जाए और पुरस्कार टलते ही चले जाएं। ऐसे में मई का इंतजार किए बगैर इसी सोमवार को बिना किसी धूमधाम के पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई। जो फैसला फिल्म प्रशंसकों के एक बड़े हिस्से को भावुकता की लहर से भिगो गया, वह था 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'छिछोरे' को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिलना। यह सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म थी, जिनकी आत्महत्या की खबर ने पिछले साल न केवल सबको चौंका दिया था बल्कि परदे पर दिखने वाली सुनहरी जिंदगी के पीछे छिपी कलाकार की वास्तविक जिंदगी के दुखों, संघर्षों और तनावों को भी लाइमलाइट में ला दिया था। बेस्ट ऐक्टर का अवॉर्ड मनोज वाजपेयी (भोसले) और धनुष (असुरन) को मिलना एक बार फिर इन दोनों कलाकारों की अभिनय क्षमता पर मोहर लगाने जैसा रहा। मणिकर्णिका और पंगा के लिए बेस्ट ऐक्ट्रेस का पुरस्कार जीतकर कंगना रनौत ने एक बार फिर अपनी क्षमता सिद्ध की है। फैशन, क्वीन और तनु वेड्स मनु रिटर्न्स के बाद यह उनका चौथा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार है।

बहरहाल, ये पुरस्कार ऐसे समय घोषित हुए हैं जब सिनेमा की हमारी दुनिया आमूल-चूल बदलाव के दौर से गुजर रही है। पिछले साल के ज्यादातर हिस्से में सिनेमा हॉल बंद रहे और लोग मनोरंजन के लिए ओटीटी प्लैटफॉर्म्स की ओर मुड़े। अब जब सिनेमा हॉल खुल गए हैं तब भी वे दर्शकों की पहले जैसी भीड़ नहीं खींच पा रहे। ओटीटी इस बीच एक सशक्त और टिकाऊ विकल्प के रूप में उभर चुका है और यह सिनेमा के विषय तथा कथ्य को भी प्रभावित कर रहा है। इसके संपूर्ण प्रभावों के आकलन में वक्त लगेगा, लेकिन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार ज्यादा समय तक पूरी तरह ओटीटी के लिए बनने वाली फिल्मों और सीरीज से आंखें मूंदे रहें, यह ठीक नहीं होगा। न एक कला के रूप में सिनेमा के विकास की दृष्टि से, न ही राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की सार्थकता के लिहाज से।

जिगर डी वाढेर

जब 17 विधायकों से सीएम बने घोष बाबू

ऐसा नहीं है कि बंगाल का सत्ता संग्राम पहली बार दिलचस्प मोड़ पर है। अतीत पर नजर डालें तो मिलता है कि वहां पहले भी सत्ता के लिए बेहद रोमांचकारी मुकाबले होते रहे हैं, और कहा तो यह भी जाता है कि सरकार बनाने के लिए राजनीतिक गठबंधनों की शुरुआत भी बंगाल से हुई थी। यह साठ के दशक की बात है। कांग्रेस के अंदर राज्य स्तर पर वर्चस्व स्थापित करने के लिए स्थानीय नेतृत्व के बीच लड़ाई इस कदर बढ़ती गई कि 1 मई 1966 को कांग्रेस से अलग हुए पार्टी नेताओं ने बांग्ला कांग्रेस के नाम से अलग पार्टी बना ली और उसका नेतृत्व अजय मुखर्जी कर रहे थे। यह वही दौर था, जब वहां लगातार तीन टर्म से कांग्रेस की सरकार चल रही थी और 1967 में वहां नए चुनाव होने थे। बांग्ला कांग्रेस के नाम से जब वहां नई पार्टी का जन्म हुआ, तो सरगर्मी बढ़नी स्वाभाविक थी।

उस वक्त राज्य में जो अलग-अलग पार्टियां थी, वे सब कांग्रेस को तो सत्ता से बेदखल करना चाहती थीं, लेकिन उनके अंदर यह आत्मविश्वास नहीं जम पा रहा था कि वे कांग्रेस को हरा भी पाएंगी। विपक्ष के बीच एक कोशिश यह हुई कि कांग्रेस के खिलाफ संपूर्ण विपक्ष एक होकर चुनाव लड़े, लेकिन यह कोशिश भी परवान नहीं चढ़ी। आखिरकार वहां विपक्ष के दो गठबंधन बने। अजय मुखर्जी के नेतृत्व में बांग्ला कांग्रेस, सीपीआई और फारवर्ड ब्लाक ने साझा तौर पर पीपुल्स यूनाइटेड लेफ्ट फ्रंट (पीयूएलएफ) और ज्योति बसु के नेतृत्व में सीपीएम, सोशलिस्ट पार्टी, स्वतंत्र पार्टी, आरपीआई ने मिलकर यूनाइटेड लेफ्ट फ्रंट (यूएलएफ) बनाया। तब तक नए चुनावों की तारीख भी घोषित हो गई, और कांग्रेस के खिलाफ यही दो गठबंधन चुनाव के मैदान में उतरे।

बहुमत किसी को नहीं मिला

उस वक्त राज्य में विधानसभा सीटों की संख्या 280 हुआ करती थी। इस लिहाज से सरकार बनाने के लिए पार्टियों को जो जादुई आंकड़ा छूना जरूरी होता था, वह था 141 का। लेकिन कांग्रेस के लगातार 15 साल से सत्ता में रहने से एंटी इंकम्बेंसी फैक्टर और विपक्ष की जुटान को देखते हुए जिस तरह के नतीजों की उम्मीद की जा रही थी, वैसे आए नहीं। हां, यह जरूर हुआ कि कांग्रेस बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंच सकी, लेकिन 127 सीटें पाकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। पीयूएलएफ के हिस्से 63 और यूएलएफ के हिस्से 58 सीटें आईं थी। 31 सीटों पर निर्दलीय जीतने में कामयाब हुए थे, और एक सीट भारतीय जनसंघ को मिली थी। कांग्रेस को सरकार बनाने से रोकने के लिए पीयूएलएफ और यूएलएफ ने हाथ मिलाने का फैसला किया। शुरुआत में इस बात को लेकर खींचतान चली कि मुख्यमंत्री कौन हो? ज्योति बसु का दावा मजबूत माना जा रहा था, लेकिन घटक दलों में उनके नाम पर आम राय नहीं बन पाई।अंत में अजय मुखर्जी के नेतृत्व में साझा सरकार बनी, लेकिन कुछ शुरुआती महीनों के बाद ही 'हनीमून पीरियड' खत्म हो गया और यूएलएफ और पीयूलएलएफ में चिकचिक शुरू हो गई- खासतौर से बांग्ला कांग्रेस और सीपीएम के बीच। दोनों एक दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक तौर पर बयानबाजी करते दिखने लगे। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने अपनी ऑटोबायोग्राफी में इस काल को याद करते हुए एक जगह लिखा है कि रोज-रोज की चिकचिक और टांग खिंचाई से अजय मुखर्जी इस हद तक परेशान हो गए थे कि वे कांग्रेस में अपनी वापसी की भी सोचने लगे थे। लेकिन ऐसा मुमकिन नहीं हो पाया, उधर सीपीएम को यह भनक जरूर लग गई कि अजय मुखर्जी कुछ भी कर सकते हैं। बांग्ला कांग्रेस के अलग होने के बाद उनके लिए सत्ता में बने रहने का प्रबंध कर पाना मुश्किल हो जाएगा, और ऐसे में भी कांग्रेस की सत्ता में वापसी हो जाएगी। इस स्थिति से बचने के लिए सीपीएम ने सुलह का इरादा कर लिया और अजय मुखर्जी को भरोसा दिलाया कि उन्हें सरकार चलाने में पूरा सहयोग दिया जाएगा।

विधायकों की बगावत

अजय मुखर्जी सीपीएम की तरफ से दिलाए गए भरोसे पर अभी यकीन करने की कोशिश कर ही रहे थे कि उन्हें अपनी ही पार्टी में बगावत का सामना करना पड़ गया। प्रफुल्ल चंद्र घोष के नेतृत्व में 17 विधायकों ने राज्यपाल से मुलाकात कर अजय मुखर्जी सरकार से समर्थन वापसी का पत्र सौंप दिया। अजय मुखर्जी इस स्थिति का मुकाबला करने को तैयार ही नहीं थे। इस तरह की स्थितियों में जैसा होता है, वैसा ही घटनाक्रम उस वक्त भी दोहराया गया। चूंकि केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, ऐसे में उनके द्वारा मनोनीत राज्यपाल की मनोदशा को आसानी से समझा जा सकता है। अजय मुखर्जी से राज्यपाल ने फौरन बहुमत साबित करने को कहा। अजय मुखर्जी का कहना था कि वे बहुमत सदन में साबित करेंगे और सत्र आहूत करने की तारीख तय करने का अधिकार मंत्रिपरिषद को है। उधर कांग्रेस ने सरकार बनाने के लिए प्रफुल्ल चंद्र घोष को समर्थन देने का पत्र राज्यपाल को सौंप दिया। इसके बाद तो राज्यपाल को और ज्यादा मजबूती मिल गई, और उन्होंने अजय मुखर्जी सरकार को बर्खास्त कर दिया। फिर तो 17 विधायकों के नेता के रूप में प्रफुल्ल चंद्र घोष, कांग्रेस के समर्थन से राज्य के मुख्यमंत्री बन गए। अजय मुखर्जी की सरकार महज दस महीने ही चल पाई थी, पर पिक्चर तो अभी बाकी थी। एक तरफ पीयूएलएफ ने सरकार बर्खास्तगी के विरोध में आंदोलन शुरू कर दिया, तो विधानसभा स्पीकर भी खुलकर नवगठित सरकार के विरोध में आ गए थे। घोष की तरफ से अपना बहुमत साबित करने के लिए जो सत्र आयोजित किया गया, जिसमें जमकर हंगामा हुआ। विधानसभा स्पीकर ने भी इस सरकार को मान्यता देने से मना कर दिया। उन्होंने बहुमत साबित करने की प्रक्रिया पूरी कराने से पहले ही सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। एक तरह से यह नया संवैधानिक संकट खड़ा हो गया।

लेफ्ट को काटकर तैयार की राइट की जमीन

भूपेन्द्र पटेल

अब जबकि पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं, मुझे वह दिन याद आ रहा है जब 1977 में पहली वाम मोर्चा सरकार बनने से उत्साहित होकर मैंने कलकत्ता के आसपास घूमने का मन बनाया था ताकि जान सकूं कि साधारण जन और कम्युनिस्ट पार्टी के बीच रिश्ते कैसे हैं। कलकत्ता के बाहरी क्षेत्र में एक उपचुनाव होना था। सीपीएम के स्थानीय सचिव से जब मैंने उपचुनाव के संभावित परिणाम के बारे में पूछा तो उनका जवाब था कि अगर पार्टी फलां चटर्जी को खड़ा करती है तो वह 1 लाख 25 हजार वोटों से जीतेगा और अमुक बंदोपाध्याय को उम्मीदवार बनाती है तो हम 99,000 वोटों से जीतेंगे। इस फर्क को उन्होंने यूं समझाया कि 26,000 वोट चटर्जी को अपनी निजी लोकप्रियता के कारण अधिक मिलेंगे जबकि पार्टी के चुनाव चिह्न पर कोई भी लड़ेगा तो वह 99,000 वोटों से जीतेगा।

वोटर से जुड़ाव का नमूना

मैंने देखा कि दफ्तर में पूरे इलाके के घरों की सूचियां मौजूद थीं। हर घर में कितने मतदाता हैं, कौन किसको वोट दे सकता है, किन व्यक्तियों से संपर्क करके उनके फैसले को पलटवाया जा सकता है आदि सारे विवरण वहां मौजूद थे। चुनाव परिणाम जब घोषित हुए तो सीपीएम ने लगभग 1 लाख वोटों से जीत हासिल की थी। 2014 के लोकसभा चुनाव के वक्त इससे ठीक उलट स्थिति देखने को मिली। जब मैंने सीपीएम की संभावित सीटों के बारे में कोलकाता में पार्टी के कई मित्रों से उनका अनुमान जानना चाहा तो कहीं से भी संतोषजनक उत्तर नहीं मिला परंतु एक संख्या पर सभी एकमत थे कि 20 से कम सीटें तो नहीं होंगी। परिणाम आया तो सीपीएम केवल 2 सीटों पर विजयी हुई। उसका वोट शेयर 29.9 प्रतिशत रह गया था। जनता और पार्टी के बीच निरंतर बढ़ती खाई का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है। वैसे देखा जाए तो 34 वर्ष बहुत लंबा अरसा होता है किसी शासक पार्टी के कार्यकर्ताओं और अफसरशाही का दिमाग खराब करने के लिए। सन 2000 के आसपास कुछ बेरोजगार युवकों ने बंगाल में एक नया फिनॉमना शुरू किया। मोहल्ले में निर्माण कार्य, घरों में सफेदी, मरम्मत इत्यादि हर काम के लिए सिंडिकेट से अनुमति लेना आवश्यक कर दिया गया। यानी आप सीधे दुकान से मरम्मत का सामान न खरीदकर पहले सिंडिकेट में जाएंगे और वे अपना कमीशन काटकर आपको सामान पहुंचाएंगे। इससे आम आदमी का जीना दूभर हो गया। तृणमूल कांग्रेस ने इस परिस्थिति का फायदा उठाया। शुरू-शुरू में तो ममता बनर्जी ने यहां तक कहा कि 'मैं ही असली वाम हूं'। उनकी कॉटन साड़ी, हवाई-चप्पल और मामूली से दिखने वाले घर ने भी उनकी विश्वसनीयता बढ़ाई। परंतु अपने शासन के पहले ही वर्ष में तृणमूल ने सीपीएम के कार्यकर्ताओं और उनके दफ्तरों पर हमले करने शुरू कर दिए। पार्टी के 220 कैडर की हत्या की गई, हजारों कार्यकर्ताओं को उनके घरों से खदेड़ दिया गया और लगभग एक लाख ईमानदार कार्यकर्ताओं को झूठे मुकदमों में फंसा दिया गया। माओवादियों की मदद से कई पार्टी समर्थकों के घरों पर बम फेंके गए। सीपीएम इस आतंक के लिए कतई तैयार नहीं थी। उसके कई कार्यकर्ता और विधायक बीजेपी की शरण में चले गए। उन्हें लगा कि वाम इतना कमजोर हो गया है कि उनके जान-माल की रक्षा करना उसके बूते की बात नहीं। तृणमूल कांग्रेस की कार्यप्रणाली ऐसी बन गई थी कि वहां ममता के खिलाफ बोलना अपराध बना दिया गया। इसके साथ-साथ भ्रष्टाचार सभी सीमाएं लांघने लगा। शारदा, नारदा चिटफंड घोटालों के साथ मनरेगा और कई सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तथा अंफान तूफान के राहत कार्य में गड़बड़ियां उजागर होने लगीं। इन सबका नतीजा यह हुआ कि जहां वाम फ्रंट को अपना आधार खोने में 34 वर्ष लगे वहीं तृणमूल कांग्रेस महज 10 वर्षों में ही इस परिस्थिति से रू-ब-रू होने लगी। एक और महत्वपूर्ण बदलाव तृणमूल ने किया। वह था राजनीति में वर्ग की भूमिका को कम करके उसके बदले अस्मिता या पहचान पर जोर देना। ज्योति बसु सरकार ने भूमि सुधार लागू किए। इससे गरीब तबके के जिन लोगों को जमीन मिली, उनमें 60 प्रतिशत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों से थे। लेकिन वाम मोर्चे ने कभी जाति के पहलू पर जोर नहीं दिया। इसके विपरीत तृणमूल कांग्रेस ने आते ही राजवंशियों, गोरखा समुदाय की विभिन्न जातियों, नादिया और उत्तरी 24 परगना जिले के नामशूद्र दलितों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए सरकारी बोर्डों का गठन किया। मुस्लिम समुदाय को खुश करने के लिए अप्रैल, 2012 में ही इमामों और मुअज्जिनों (अजान देने वालों) के भत्ते बढ़ा दिए। इस क्रम में उसने बंगाल में पहली बार ऐसी जमीन तैयार कर दी जिसमें बीजेपी को फलने-फूलने का अवसर मिला। जब ममता को लगा कि उनकी छवि मुस्लिम–समर्थक की बन रही है तो उन्होंने मंदिर के पुजारियों के लिए भी भत्ते की घोषणा कर दी और हर दुर्गापूजा पंडाल को 50,000 रुपये देने की व्यवस्था की। परंतु इस जाति-धर्म आधारित ध्रुवीकरण के खेल में तो बीजेपी माहिर है। उसने मुस्लिम शरणार्थियों और हिंदू शरणार्थियों के बीच खाई को बढ़ाया। आज वहां महतो-कुर्मी, कुम्हार और आदिवासी जातियां जय श्रीराम का नारा लगाने में आगे हैं। दाल-रोटी का भाव, पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतें और युवाओं की बेरोजगारी चुनाव में कोई मुद्दा नहीं है। टीएमसी विरोधी वोट आज स्थिति यह है कि आम जनता का बड़ा हिस्सा टीएमसी को हराना चाहता है और बीजेपी सभी टीएमसी विरोधी वोटों को हड़प लेना चाहती है। इसीलिए वाम, कांग्रेस और इंडियन सेकुलर फ्रंट के मोर्चे का बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य में आना एक सकारात्मक पहलू है।

यूपीए को लेकर राउत-पाटोले में कहासुनी तेज

मुंबई, राज्य की महा विकास आघाडी सरकार में शामिल शिवसेना के नेता संजय राउत और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले के बीच कहासुनी का दौर तीसरे दिन भी लगातार जारी है। बता दें कि जब से संजय राउत ने यूपीए का नेतृत्व शरद पवार को देने की मांग उठाई है। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता खासकर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले खासे आक्रामक हैं। दोनों के बीच इस मुद्दे पर पिछले दो-तीन दिन से लगातार आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। कांग्रेस की नाराजगी की परवाह किए बिना संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में कुछ लोग यूपीए-2 बनाने की तैयारी कर रहे हैं, इसलिए अगर विपक्ष बीजेपी से लड़ना चाहता है, तो मौजूदा यूपीए को मजबूत होने की जरूरत है। राउत ने कहा कि तीसरा, चौथा या पांचवां मोर्चा बनाने का नाटक विफल हो गया है इसलिए मौजूदा यूपीए को मजबूत होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कुछ लोग यूपीए-2 बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसलिए मैं यह कह रहा हूं कि यूपीए-1 को मजबूत होना होगा। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया ये लोग कौन हैं जो यूपीए-2 बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर संप्रग-2 बना तो मौजूदा संप्रग की महत्ता कम होगी और फिर विपक्षी पार्टियों के हाथ में कुछ नहीं होगा। बता दें कि पवार को यूपीए का नेता बनाने के राउत के सुझाव पर महाराष्ट्र कांग्रेस

नेताओं ने गुरुवार को कहा था शिवसेना नेता से ऐसी टिप्पणियां करने से बचना चाहिए क्योंकि शिवसेना तो यूपीए का हिस्सा भी नहीं है। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने राउत से पूछा था कि क्या वह पवार के प्रवक्ता हैं?, इस पर राउता ने जवाब दिया कि शरद पवार देश के नेता हैं। सभी जानते हैं कि शरद पवार या उद्धव ठाकरे क्या हैं। राउत ने कहा कि इसके बारे में बोलने के लिए किसी को यूपीए का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि संप्रग का मुद्दा किसी राज्य का नहीं बल्कि देश का मुद्दा है। इसलिए राज्य के लोगों को इसके बारे में नहीं बोलना चाहिए। राउत ने यह भी कहा कि अगर विपक्षी पार्टियां बीजेपी का मुकाबला करना चाहती है, तो गठबंधन को मजबूत करने पर चर्चा करने की आवश्यकता है। चुनाव आते ही कैसे कम हो जाते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम: शिवसेना हर दिन बढ़ने वाले पेट्रोल डीजल के दाम देशभर में कहीं भी चुनाव होने पर अचानक कम कैसे हो जाते हैं यह सवाल उठाया है शिवसेना ने। शिवसेना ने शुक्रवार को बिना नाम लिए केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने शायद पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तेल के दाम कम किए हैं ताकी ईंधन की बढ़ती कीमतों का खामियाजा बीजेपी को ना उठाना पड़े। बता दें कि कई हफ्तों की तेजी के बाद गुरुवार को पेट्रोल 21 पैसे प्रति लीटर और डीजल 20 पैसे प्रति लीटर सस्ता हुआ है। शिवसेना ने आरोप लगाया है कि शायद केंद्र ने तेल की कीमत, इसलिए कम की है ताकि बीजेपी को असम और पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में तेल की बढ़ती कीमतों का खामियाजा ना उठाना पड़े। पार्टी ने कहा कि यकीनन हमें, आम लोगों को नहीं भूलना चाहिए, इसका हिसाब फिर कभी बराबर किया जाएगा।

शिवसेना ने मूल्य वृद्धि का विरोध के बावजूद केंद्र पर पेट्रोल तथा डीजल की कीमत कम करने की इच्छाशक्ति नहीं दिखाने का भी आरोप लगाया।

कोरोना ने बढ़ाई रेलवे की चिंता, डीआरएम ने लिखा पत्र

मुंबई, पिछले कुछ दिनों से लगातार कोरोना के मामले तेज लोकल की गति से बढ़ रहे हैं। रोज डराने वाले आंकड़े सामने आ रहे हैं, ऐसे में फिलहाल 38-40 लाख लोगों को सेवा देने वाली रेलवे भी कैसे अछूती रह सकती है। पश्चिम रेलवे के बोरीवली रिजर्वेशन काउंटर पर काम करने वाले 7 बुकिंग क्लर्क संक्रमित होने के बाद प्रशासन की परेशानी बढ़ गई है। फ्रंटलाइन वर्कर की तय हो गाइडलाइन पश्चिम रेलवे पर काम करने वाले बुकिंग क्लर्क मौजूदा स्थिति से काफी नाराज हैं। गोपनीयता की शर्त पर कुछ वरिष्ठ बुकिंग क्लर्क ने बताया कि कई बार सीनियर डीसीएम से गुजारिश की गई है कि बुकिंग क्लर्क स्टाफ का भी वैक्सिनेशन किया जाए, फ्रंटलाइन स्टाफ में नाम होते हुए भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल और मध्य रेलवे के कल्याण स्थित अस्पताल में वैक्सिनेशन किया जा रहा है। यहां मेडिकल से जुड़े सभी कर्मचारी, मोटरमैन, लोको पायलट और गार्ड इत्यादि का वैक्सिनेशन चल रहा है। पश्चिम रेलवे ने लिखी थी चिट्ठी पश्चिम रेलवे के स्वास्थ्य अधिकारी ने राज्य के प्रधान सचिव स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखकर सभी रेल कर्मचारी और उनके परिवार को वैक्सिनेशन के लिए मंजूरी मांगी है। पत्र में लिखा गया है कि पश्चिम रेलवे के 29 हजार कर्मचारी जो मुंबई की सर्विस में दिन रात जुटे हैं, उन्हें बिना किसी रोकटोक के वैक्सीन दी जाए। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ छत्र सिंह आनंद ने पत्र में लिखा है कि जगजीवन राम अस्पताल में वैक्सीन स्टोरेज के लिए पर्याप्त सुविधा है, राज्य सरकार इनकी सप्लाई की व्यवस्था करे। सुरक्षा का रखा जाता है ध्यान मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार के अनुसार, 'टिकट बुकिंग खिड़कियां हों या मोटरमैन केबिन हर ट्रिप के बाद इन्हें सैनिटाइज किया जाता है। फ्रंट पर काम करने वाले स्टाफ का खास खयाल रखा जाता है।' गौरतलब है कि 1 फरवरी के बाद सामान्य लोगों को सशर्त यात्रा की अनुमति मिली। इसके बाद यात्रियों की संख्या दुगुनी हुई है। सरकार की गाइडलाइन से बढ़ा बोझ हाल ही में महाराष्ट्र सरकार ने दफ्तरों में कर्मचारियों की संख्या 50% तक सीमित करने का निर्देश दिया। इस फरमान के बाद ट्रेनों में यात्री संख्या पर ज्यादा असर नहीं पड़ा लेकिन रेलवे में भी कर्मचारियों की संख्या पर अंकुश लगाया गया। इसका असर ड्यूटी स्टाफ पर पड़ रहा है। रेलवे के अधिकारी ने बताया कि फ्रंटलाइन स्टाफ इससे प्रभावित नहीं है लेकिन रेलवे ओवरऑल एक टीम है इसलिए इस तरह के फैसलों को असर तो पड़ता ही है।

पश्चिम रेलवे ने विशेष ट्रेनों की सेवाएं बढ़ाई

मुंबई, 1. ट्रेन सं. 02133 बांद्रा टर्मिनस-जबलपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 3 अप्रैल से 29 मई, 2021 तक विस्तारित किया गया है, जबकि ट्रेन सं. 02134 जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 2 अप्रैल से 28 मई, 2021 तक विस्तारित किया गया है।

2. ट्रेन सं. 09271 बांद्रा टर्मिनस-पटना साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 3 मई से 28 जून, 2021 तक विस्तारित किया गया है, जबकि ट्रेन सं. 09272 पटना-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 5 मई से 30 जून, 2021 तक विस्तारित किया गया है।

3. ट्रेन सं. 02913 बांद्रा टर्मिनस-सहरसा साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 2 मई से 27 जून, 2021 तक विस्तारित किया गया है, जबकि ट्रेन सं. 02914 सहरसा-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 4 मई से 29 जून, 2021 तक विस्तारित किया गया है।

4. ट्रेन सं. 02929 बांद्रा टर्मिनस-जैसलमेर साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 7 मई से 25 जून, 2021 तक विस्तारित किया गया है, जबकि ट्रेन सं. 02930 जैसलमेर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 8 मई से 26 जून, 2021 तक विस्तारित किया गया है।

5. ट्रेन सं. 09027 बांद्रा टर्मिनस-जम्मूतवी साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 1 मई से 26 जून, 2021 तक विस्तारित किया गया है, जबकि ट्रेन सं. 09028 जम्मूतवी-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 3 मई से 28 जून, 2021 तक विस्तारित किया गया है।

6. ट्रेन सं. 09017 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 5 मई से 30 जून, 2021 तक विस्तारित किया गया है, जबकि ट्रेन सं. 09018 हरिद्वार-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल के फेरों को 6 मई से 1 जुलाई, 2021 तक विस्तारित किया गया है।

HDIL समेत अन्य लोगों के खिलाफ FIR दर्ज, आग में दस लोगों की हुई थी मौत

मुंबई, भांडुप की आग मामले में पुलिस ने ड्रीम्स मॉल और सनराइज हॉस्पिटल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मुंबई के भांडुप पुलिस स्टेशन आईपीसी की धारा 304 और 34 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस एफआईआर में में ड्रीम्स मॉल मैनेजमेंट राकेश वधावन(HDIL चेयरमैन) , निकिता त्रेहान (राकेश वाधवान के बेटी) , दीपक शिर्के अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। भांडुप इलाके में यह ड्रीम्स मॉल एचडीआईएल ने साल 2009 में बनवाया था एसबीआई के चेयरमैन राकेश पासवान है बेटी निकिता त्रेहान उनकी बेटी निकिता त्रेहान सनराइज ग्रुप के एमडी ने जिनका ड्रीम्स मॉल में हॉस्पिटल था काल के दौरान कुछ शर्तों के साथ उन्हें कोई अस्पताल बनाने की इजाजत दी गई थी यह इजाजत 31 मार्च 2021 तक के लिए मिली थी।

आर्थिक सहायता का भी ऐलान

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भांडुप स्थित ड्रीम्स मॉल और सनराइज अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना भी दी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि इस हादसे में जो लोग भी जिम्मेदार हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ठाकरे ने इस फायर ट्रेजेडी में मरने वाले लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता का भी ऐलान किया है। मुंबई के भांडुप इलाके में स्थित ड्रीम्स मॉल में बीती रात लगी आग के बाद मॉल की तीसरी मंजिल पर मौजूद सनराइज अस्पताल भी चपेट में आ गया था। जिसकी वजह से अस्पताल में भर्ती 78 मरीजों में से 10 लोगों की मौत हो गई है।

अस्पताल का बयान इस मामले में अस्पताल प्रशासन की तरफ से भी बयान जारी किया गया है। जिसमें उन्होंने बताया है कि ड्रीम्स मॉल के पहले फ्लोर पर आग लगी थी। जिसका धुआं सनराइज अस्पताल तक भी पहुंचा था। जिसके बाद तुरंत ही अस्पताल में अलार्म सिस्टम बजने लगा और सभी भर्ती मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अस्पताल ने बताया कि आग की वजह से कोई मौत नहीं हुई है। दो मरीजों की कोविड के चलते मौत हुई थी। उनके शव को भी बाहर निकाल लिया गया है। सभी मरीजों को जंबो कोविड

सेंटर और अन्य अस्पतालों में भर्ती किया गया है। फायर फाइटिंग के सभी उपकरण काम कर रहे थे। सही नहीं था मॉल का फायर फाइटिंग सिस्टम

बीएमसी के मुताबिक भांडुप के ड्रीम्स मॉल का फायर फाइटिंग सिस्टम ठीक से काम नहीं कर रहा था। बीएमसी को इस बात की जानकारी तब हुई जब उसने मॉल का सर्वे किया था। बीएमसी के सर्वे में यह मॉल 29 वें नंबर पर आया था। बीएमसी ने मुंबई शहर के ऐसे 29 मॉल को नोटिस भी भेजा था और फायर फाइटिंग सिस्टम को दुरुस्त करने के लिए कहा था। आपको बता दें कि पिछले साल 22 अक्टूबर को मुंबई सेंट्रल के सिटी सेंटर मॉल में आग लगी थी। जिसे बुझाने में तकरीबन 4 दिन लग गए थे। इसी आग के बाद पूरे शहर के मॉल का सर्वे किया गया था क्या हुआ था

मुंबई के भांडुप में सनराइज अस्पताल (Sunrise Hospital Fire) में देर रात आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। खास बात है कि यह अस्पताल ड्रीम्ज मॉल में तीसरी मंजिल पर स्थित है। अस्पताल में आग करीब 11:45 बजे रात को लगी। घटना की जानकारी के बाद फायर ब्रिगेड की 23 गाड़ियां मौके पर आग बुझाने के लिए पहुंची। अस्पताल में 78 पेशेंट्स एडमिट थे। इनमें से 73 कोरोना पेशेंट्स और 3 सामान्य रोगी हैं। 73 पेशेंट्स में 30 को मुलुंड के जंबो सेंटर में शिफ्ट किया गया है। वहीं, तीन लोगों को फोर्टिस अस्पताल में एडमिट कराया गया है। बाकी अन्य का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

बीएमसी में बजा चुनावी बिगुल, सत्ताधारी शिवसेना व भाजपा के बीच फिर जोरआजमाइश

मुंबई, अगले साल होनेवाले बीएमसी चुनाव से पहले आखिरी बार बीएमसी में चुनाव का बिगुल बज गया है। बीएमसी में 5 से 22 अप्रैल के बीच वैधानिक, विशेष व प्रभाग समितियों के चुनाव होगा। इन समितियों के चुने गए प्रमुखों का कार्यकाल वर्ष 2021-22 के बीच होगा। बीएमसी चुनाव से पहले समितियों के चुनाव को सेमीफाइनल माना जा रहा है। जनता के बीच जाने से पहले सत्ताधारी शिवसेना व मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के बीच इस चुनाव में तगड़ी जोर-आजमाइश देखने को मिल सकती है। दोनों दल इस चुनाव अपना प्रभुत्व साबित करने की कोशिश करेंगे, जिससे अगले साल चुनाव में बढ़े हुए हौसलों के साथ मैदान में उतर सकें। शिवसेना का पलड़ा भारी कोरोना संकट के कारण पिछले वर्ष समितियों का चुनाव अप्रैल की बजाए अक्टूबर में हुआ था। तब 6 वैधानिक समितियों एवं 4 विशेष समितियों पर शिवसेना ने कब्जा किया था। जबकि 17 प्रभाग समितियों में से 12 पर शिवसेना व 5 पर भाजपा का कब्जा ने कब्जा किया था। तब कांग्रेस, एनसीपी एवं सपा ने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से शिवसेना की मदद की थी। कांग्रेस ने कई समितियों के लिए अपने प्रत्याशी भी उतारे थे, लेकिन अंतिम समय में उन्हें मैदान से हटा लिया था। जिसका फायदा शिवसेना को हुआ था। और शिवसेना के प्रभाग समिति अध्यक्षों की संख्या में इजाफा हुआ था। मेयर किशोरी पेडणेकर के लिए यह चुनाव काफी चुनौतीपूर्ण है। यहां विपक्षी पार्टी पर बढ़त दिलाने की जिम्मेदारी उन्हीं पर है। कांग्रेस-एनसीपी पर नजर बीएमसी चुनाव को देखते हुए सभी दलों ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। पिछली प्रभाग समितियों के चुनाव में शिवसेना का साथ देनेवाली कांग्रेस बीएमसी चुनाव में अकेले दम पर मैदान में उतरने का दम भर रही है। मुंबई कांग्रेस के नए अध्यक्ष भाई जगताप एवं बीएमसी में नेता विपक्ष रवि राजा कई बार बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने की बात कह चुके हैं। ऐसे में देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस बार समितियों के चुनाव में कांग्रेस का क्या स्टैंड रहता है। वहीं राकांपा एवं सपा पर भी सबकी नजर रहेगी। पिछली बार की तरह भाजपा को रोकने के लिए यह दल शिवसेना का साथ देते हैं या चुनावी रणनीति को देखते हुए अपना अलग रुख अख्तियार करते हैं। कांग्रेस नगरसेवक एवं बीएमसी में नेता विपक्ष रवि राजा ने कहा कि पार्टी नेतृत्व जो हमें आदेश देगा हम वहीं करेंगे। चुनाव को लेकर बड़े नेताओं के साथ बैठक होगी, जिसमें विचार- विमर्श के बाद निर्णय लिया जाएगा। यशवंत जाधव पर दांव! बीएमसी में सबसे महत्वपूर्ण स्थायी समिति अध्यक्ष पद पर शिवसेना एकबार फिर से यशवंत जाधव पर दांव लगा सकती है। शिवसेना चुनावी साल में कोई बड़ा बदलाव नहीं करना चाहेगी। हालांकि भाजपा के विनोद मिश्रा ने जाधव पर कई आरोप लगाए हैं। लेकिन शिवसेना पूरी मजबूती के साथ जाधव कर समर्थन में खड़ी रही।

मुकेश अंबानी केस का क्रिकेट से क्या कनेक्शन! मनसुख हिरेन से भी जुड़ रहे तार

मुंबई, 25 फरवरी को रात में मुकेश अंबानी की बिल्डिंग के बाहर जिलेटिन भरी स्कॉर्पियो पार्क की गई थी। उस केस में एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सचिन वझे की गिरफ्तारी तो हुई ही, परमबीर सिंह को मुंबई पुलिस कमिश्नर की कुर्सी भी गंवानी पड़ी। अब इस केस में क्रिकेट एंगल भी सामने आ रहा है। क्यों? कहानी स्कॉर्पियो मालिक हिरेन मनसुख के कत्ल से जुड़ी हुई है।

परमबीर सिंह का कहना है कि सचिन वझे को गृह मंत्री अनिल देशमुख ने हर महीने 100 करोड़ रुपये होटल, रेस्तरां व बियर बार मालिकों से कलेक्ट करने को कहा था। पर महाराष्ट्र एटीएस के एक अधिकारी ने बताया कि सचिन वझे की मोटी कमाई क्रिकेट सटोरियों से भी बहुत होती थी। किसी भी मैच के दौरान सटोरियों के अड्डों पर रेड न पड़े, इसके लिए कई क्रिकेट बुकीज सीधे सचिन वझे से संपर्क में थे। उनमें गुजरात का क्रिकेट बुकी नरेश धरे उर्फ गोर भी था। सटोरियों का पूरा कारोबार बेनामी सिम कार्ड्स से वझे को यह पता था कि क्रिकेट सटोरियों का सट्टे का पूरा कारोबार बेनामी सिम कार्ड्स से ही होता है। इसीलिए वझे ने फरवरी में नरेश से उसे भी कुछ सिम कार्ड देने को कहा। नरेश ने 15 सिम कार्ड गुजरात में अपने किसी परिचित मोबाइल गैलरी वाले को मोटी रकम देकर खरीदे और उनमें से पांच सचिन वझे के लिए अलग कर दिए। वझे को फोन किया कि इन्हें कहां देने हैं? आखिर क्यों 27 फरवरी की दोपहर वझे ने क्राइम ब्रांच की दस टीमों को जांच रोकने का आदेश दिया था? नरेश को इसे निलंबित सिपाही विनायक शिंदे को देने को कहा गया। शिंदे से फिर यह कार्ड सचिन वझे तक पहुंच गए। लेकिन कार्ड लेने-देने की इस प्रक्रिया के दौरान नरेश ने दो बार अपने मोबाइल में सिम कार्ड डालकर चेक भी कर लिया कि यह चल रहे हैं या नहीं। यहीं से आरोपी किसी साजिश से पहले ही अपना खिलाफ सबसे बड़ा ऐविडेंस छोड़ गए। ऐसे पकड़ा गया बुकी जिलेटिन वाली स्कॉर्पियो के मालिक हिरेन मनसुख के कत्ल का जब सचिन वझे ने मन बनाया, तो क्रिकेट बुकी नरेश के जरिए मिले इन्हीं पांच सिम कार्ड्स में से कुछ को यूज करने का फैसला किया। 4 मार्च

को हिरेन मनसुख पहले अपनी दुकान में थे, वहां से वह घर गए और फिर उनके पास रात में तावडे के नाम से एक फोन आया और उन्हें बुलाया गया।

बाद में 5 मार्च को कलवा खाड़ी में उनकी लाश मिली। जब विपक्ष के नेता देवेंद्र फणडवीस ने विधानसभा में इसका खुलासा किया, तो महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई क्राइम ब्रांच से लेकर यह केस महाराष्ट्र एटीएस को दे दिया। एटीएस चीफ जयजीत सिंह ने डीआईजी शिवदीप लांडे, एसीपी श्रीपद काले, इंस्पेक्टर भास्कर कदम, अनिल ढोले और एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक की एक स्पेशल टीम बनाई। मोबाइल नंबर खुले कई राज टीम ने उस मोबाइल नंबर से जांच शुरू की, जो 4 मार्च को रात करीब सवा आठे बजे तावडे के नाम से आया था। उस नंबर की लोकेशन और हिरेन मनसुख के नंबर की लोकेशन कुछ देर बाद ठाणे के घोड़बंदर रोड की मिली। इसके बाद घोड़बंदर रोड के सेल टावर का डंप डाटा निकाला गया। पता चला कि जिस नंबर से मनसुख को कॉल किया गया था, वह गुजरात का नंबर है।

गुजरात में जिस मोबाइल सेट के आईएमईआई नंबर पर यह सिम अतीत में चेक किया गया था, वह मोबाइल सेट नरेश का निकला। उसे पकड़ा गया, तो पूरे केस की परत दर परत खुलती गई। परिस्थितिजनक सबूत पर आगे का केस निर्भर एटीएस के एक अधिकारी के अनुसार, ठाणे के घोड़बंदर रोड पर हिरेन मनसुख और क्रिकेट बुकी नरेश के दिए सिम कार्ड की लोकेशन तो एक साथ मिली ही, निलंबित सिपाही विनायक शिंदे के मूल मोबाइल की लोकेशन भी मिली। मनसुख मर्डर में शिंदे भी गिरफ्तार किया गया है, लेकिन सवाल उठ रहा है कि क्या सचिन वझे भी मर्डर के दिन ठाणे मे घोडबंदर रोड पर थे? एटीएस के एक अधिकारी के अनुसार, सचिन वझे का अपना मोबाइल नंबर उस दिन घोडबंदर रोड से करीब 40 किलोमीटर दूर मुंबई पुलिस मुख्यालय में था, इसलिए सीधे ऐविडेंस देखें, तो हम साबित नहीं कर सकते कि सचिन मर्डर के वक्त ठाणे में थे या नहीं, लेकिन परिस्थितिजनक सबूत उनके ठाणे में होने के सबूत दे रहे हैं। पवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिए देशमुख की बेगुनाही के 'सबूत' मुकदमे के दौरान परिस्थितिजनक सबूत बहुत काम आते हैं। जैसे, जब सचिन का मूल मोबाइल नंबर मुंबई पुलिस मुख्यालय में था, तो उस वक्त कोई आउटगोइंग कॉल्स क्यों नहीं गईं या इनकमिंग कॉल्स क्यों रिसीव नहीं की गईं। गुजरात के सिम कार्ड का कनेक्शन

एटीएस के अधिकारी के अनुसार, उनकी जानकारी में मनसुख को तावडे के नाम से गुजरात के सिम कार्ड से कॉल सचिन वझे ने ही किया था।

क्या आप हर रोज नाश्ते में ब्रेड खा रही हैं, तो जानिए क्या होता है आपके स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव

सोनल झालावाड़िया

ब्रेकफास्ट की बात हो, या स्नैक के तौर पर सैंडविच की। हम सभी ब्रेड का सेवन करते हैं। भागती-दौड़ती जिंदगी में ब्रेकफास्ट का ईजी ऑप्शन बन गई है ब्रेड। इससे जल्दी पेट भर जाता है और इंस्टेंट एनर्जी महसूस होती है। पर क्या इसका लगातार सेवन आपकी सेहत के लिए ठीक है? अगर आप भी रोजाना ब्रेड का सेवन करती हैं, और यह सवाल आपको भी परेशान कर रहा है, तो आइए आज इस सवाल का जवाब आपको देते हैं

क्या रेगुलर ब्रेड का सेवन हानिकारक होता है

विशेषज्ञ बताते हैं, होल व्हीट आटे, साबुत अनाज, बीज, या नट्स से बने ब्रेड्स का सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है, लेकिन व्हाइट या सफेद ब्रेड का सेवन करने की सलाह आहार विशेषज्ञ नहीं देते। सफेद ब्रेड को बनाने के लिए मैदा का इस्तेमाल किया जाता है, जो हमारे पेट के लिए नुकसानदायक होती है। सिर्फ इतना ही नहीं यह वजन बढ़ाने में भी योगदान करती है।

क्या कहते हैं शोध

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, ब्रेड का सेवन करने से आपके स्वास्थ्य पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही तरह के प्रभाव पड़ सकते हैं। इसलिए सीमित मात्रा में ही इसके सेवन की सलाह दी जाती है। हालांकि जब आप नियमित रूप से ब्रेड का सेवन करती हैं, तो आपको कुछ संभावित लाभ प्राप्त हो सकते हैं।

आपको ऊर्जा प्रदान करती है

साबुत अनाज और फलियों में जटिल कार्बोहाइड्रेट होते हैं। इन दोनों सामग्रियों से प्राप्त ब्रेड उपलब्ध ऊर्जा की प्रचुर आपूर्ति के लिए फायदेमंद हैं। जो रक्त में

ग्लूकोज के एक स्थिर प्रवाह में तब्दील हो जाता है। यह तथ्य पेशेवर एथलीटों या व्यक्तियों के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो किसी भी शारीरिक गतिविधि के लिए अपने शरीर को तैयार कर रहे हैं, जिन्हें स्ट्रेंथ की जरूरत है।

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, जटिल कार्बोहाइड्रेट सेरोटोनिन के उत्पादन को उत्तेजित करते हैं और यदि आप उन्हें अपने आहार से पूरी तरह से खत्म कर देती हैं तो आप वास्तव में क्रैंकी हो सकती हैं। डॉक्टर एमी जैमीसन-पेंटोनिक, क्लीवलैंड क्लिनिक में पंजीकृत आहार विशेषज्ञ, हर तीन से चार घंटे में ऊर्जावान और खुश महसूस करने के लिए जटिल कार्ब्स को खाने की सलाह देती हैं।

पेट को स्वस्थ रखती है

होल व्हीट आटे, साबुत अनाज, बीज, या नट्स से बने ब्रेड्स डाइट्री फाइबर से भरपूर होते हैं। आहारीय फाइबर अपचनीय प्लांट के भागों (indigestible plant parts) का गठन करता है। जो मल में चिकनापन बढ़ा कर मल त्याग को आसान बनाते हैं। नियमित मल त्याग को बढ़ावा देते हैं और अपशिष्ट उन्मूलन का समर्थन करते हैं। साथ ही यह ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करता है, लाभकारी आंत माइक्रोफ्लोरा को पोषित करता है, और आपको लंबे समय तक तृप्त रखता है।

इसका अधिक सेवन कोरोनरी हृदय रोग, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, अधिक वजन, मोटापे और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकारों के कम जोखिम से जुड़ा हुआ है।

प्रतिरक्षा के साथ ही मूड में भी सुधार कर सकती है

डाइट्री फाइबर में उच्च ब्रेड, आंत में अनुकूल बैक्टीरिया के विकास और प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने वाले प्रीबायोटिक प्रभाव डालते हैं। गट माइक्रोफ्लोरा का गहन अध्ययन किया जा रहा है, क्योंकि आंत में माइक्रोबायोटा संरचना में परिवर्तन, आवश्यक शारीरिक कार्यों से संबंधित हैं जैसे कि प्रतिरक्षा, तृप्ति विनियमन और शरीर के वजन में वृद्धि।

क्या वाकई 'Cucumber Diet' कर सकती है आपका हफ्तेभर में 7 किलो वजन कम? जानें कितनी असरदार है ये डाइट

संजय शर्मा

जरूरत से ज्यादा वजन किसी भी व्यक्ति को अच्छा नहीं लगता है। मोटापा न सिर्फ व्यक्ति की पर्सनालिटी खराब करता है बल्कि उसके आत्मविश्वास को भी हिलाकर रख देता है। ऐसे में इस समस्या से जुझ रहे कई लोगों के मन में यह ख्याल आना लाजमी है कि काश उनके पास कोई जादुई झड़ी हो और वो चंद दिनों में अपना कई किलो वजन कम कर लें। यूं तो वजन घटाने के लिए एक्सपर्ट्स कई तरह की डाइट फॉलो करने की सलाह देते हैं। ऐसी ही एक डाइट में Cucumber Diet का भी नाम शामिल है। लेकिन इस डाइट को फॉलो करने से पहले जरूर जान लें ये कुछ जरूरी बातें।

क्या है Cucumber Diet -

Cucumber Diet वजन कम करने में मदद करने वाली एक डाइट है। इस डाइट को फॉलो करने वाले लोगों के लिए कहा जाता है कि वो बड़ी आसानी से 7 से 14 दिन के भीतर अपना 7 किलो तक वजन कम कर लेते हैं। इस डाइट में खीरे की तुलना में अन्य फल और सब्जियों को न्यूनतम रखने की सलाह दी जाती है। उदाहरण के लिए, इस डाइट में मुख्य रूप से खीरे के साथ कुछ प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ जैसे अंडे, चिकन, मछली और नट्स को शामिल किया जाता है।

Cucumber Diet के लिए दिशानिर्देश-

Cucumber Diet फॉलो करने के दौरान ऐसा कोई खास मानक दिशानिर्देश या नियम नहीं होत है। इस डाइट को फॉलो करने वाले व्यक्ति को बस अपने अधिकांश भोजन में खीरा खाने की सलाह दी जाती है। इस डाइट के अनुसार व्यक्ति को जब कभी भूख लगे, तो उसे ककड़ी का सेवन कर लेना चाहिए। चूंकि खीरे में कैलोरी कम होती है, आप जितनी चाहें उतनी मात्रा में खा सकते हैं। इसके अलावा, चूंकि खीरे में प्रोटीन की मात्रा बेहद कम होती है, तो इस डाइट को रूटिन में शामिल करते समय व्यक्ति को खीरे के साथ प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ जैसे अंडे, लीन मीट, पनीर, और नट्स को भी शामिल करना चाहिए।

वजन कम करने में कितनी असरदार Cucumber Diet -

Cucumber Diet में कैलोरी की मात्रा कम होने की वजह से यह व्यक्ति का कुछ समय के लिए तो वजन कम कर सकती है। लेकिन जैसे ही व्यक्ति दोबारा अपनी पुरानी डाइट को फॉलो करने लगता है उसका वजन भी दोबारा बढ़ जाता है।

ऐसा खासकर तब होता है जब व्यक्ति दोबारा अपने खाने-पीने की आदतों पर नियंत्रण खोकर अपनी डाइट में पोषण से जुड़ी चीजों को शामिल नहीं करता है। इसलिए, बढ़ते वजन को कंट्रोल या कम करने के साथ अपनी सेहत को भी बेहतर बनाए रखने के लिए, विविधता से भरा आहार अपनी डाइट में शामिल करें। इसमें आप कई तरह के साबुत अनाज, सब्जियां, फल, हेल्दी वसा और लीन और पौधों से मिलने वाला प्रोटीन भी शामिल कर सकते हैं।

Cucumber Diet से जुड़े संभावित खतरे-

Cucumber Diet का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि खीरे में बहुत कम मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए पूर्ण नहीं होते हैं और लंबे समय तक इस तरह के आहार को फॉलो करने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी और स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, अपनी डाइट से भोजन को हटाने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, जिससे व्यक्ति में चिड़चिड़ापन, थकान और यहां तक कि अवसाद जैसी भावनाएं भी जन्म ले सकती हैं।

लंबी उम्र की चाहत रखने वाले इस समय गुस्सा करने से बचें, सेहत पर पड़ता है बुरा असर

अगर आपको अपनी उम्र लंबी करनी है और सेहतमंद रहना है तो रात को गुस्सा करना छोड़ दें। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने कहा है कि रात में गुस्से की हालत में सोना आपकी सेहत के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि रात में किसी भी प्रकार के झगड़े को भुलाकर शांत दिमाग के साथ नींद लेने से अपनी उम्र तो लंबी होगी ही, इसके साथ ही आप सेहतमंद भी रहेंगे।

ऑरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने 2022 लोगों पर अपना अध्ययन करने के बाद यह निष्कर्ष जारी किए हैं। अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों की उम्र 33 से 84 साल के बीच थी। इसके बाद आठ दिनों तक उन पर नजर रखी

गई। इस दौरान शोधकर्ताओं ने सोने से पहले उनकी भावनाएं और अनुभवों के बारे में सवाल-जवाब किए।

अध्ययन के निष्कर्षों में शोधकर्ता रॉबर्ट तावस्की ने बताया कि दिन के झगड़े रात में सोने से पहले सुलझा लेने से इसका असर दूसरे दिन दिखाई नहीं देता, जिससे आपके दिमाग पर नकारात्मक बातें हावी नहीं हो पातीं और आप मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं।

वहीं इसके विपरीत रात में झगड़ा करके सोने से झगड़े से जुड़ी बातें दिमाग में बनी रहती हैं और ये तनावच बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

कहते हैं, हर इंसान को कभी न कभी तनाव का सामना करना पड़ता है इसे पूरी तरह से रोका नहीं जा सकता।

लेकिन, कुछ हद तक इसे कम करने की कोशिश की जा सकती है ताकि आप स्वस्थ रह सकें। अध्ययन में यह भी पाया गया कि औसतन 45 साल की उम्र वालों के मुकाबले, 68 वर्ष या इससे अधिक उम्र के बुजुर्ग जल्दी नकारात्मक बातों को भुलाने की कोशिश करते हैं।

होली पर मेहमानों को सर्व करें दही गुजिया, खाने वाला हर शख्स पूछेगा क्या है

होली का त्योहार बिना रंग और गुजिया के अधूरा है। घरों में होली आने से कई दिन पहले ही अलग-अलग तरह की गुजिया बननी शुरू हो जाती हैं। आपने अब तक होली पर मावा, सूजी यहां तक की चॉकलेट गुजिया का भी स्वाद चख लिया होगा लेकिन आज आपको बताते हैं गुजिया की एक नई रेसिपी, नाम है दही गुजिया। आइए जानते हैं कैसे बनाई जाती है यह होली स्पेशल गुजिया।

दही गुजिया बनाने के लिए सामग्री-

-200 ग्राम उड़द दाल
-1/3 टी स्पून नमक
-25-39 किशमिश
-1 टेबल स्पून बादाम सिल्वर
-15 काजू, टुकड़ों में कटा हुआ
-2 टेबल स्पून कद्दूकस किया हुआ खोया
-4 टेबल स्पून तेल
-4 कप दही
-स्वादानुसार नमक
-1 कप हरी चटनी
-1 कप मीठी चटनी
-1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर
-2 टी स्पून जीरा
-2 टी स्पून चाट मसाला

दही गुजिया बनाने की विधि-

दही गुजिया बनाने के लिए सबसे पहले दाल को धोकर रातभर भिगोकर अलग रख दें। सुबह दाल का पानी निकालकर उसे पीस लें। दाल में बिना पानी मिलाएं उसका एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब एक बाउल में दाल का पेस्ट निकालकर हाथ से फेंट लें। गुजिया का मिश्रण तैयार है। इसमें काजू, किशमिश, खोया और बादाम डालकर मिक्स करें।एक सीधी प्लेट में गीला कपड़ा फैलाएं और नींबू के साइज़ के बराबर दाल का मिश्रण रखें। 2.5 - 3 इंच फ्लैट डिस्क बना लें और इसमें नट्स रखें और फोल्ड कर दें और कपड़े की साइड पलट दें। एक पैन में तेल गर्म करें गुजिया को दोनों तरफ से ब्राउन होने तक फ्राई करें।

सूती कपड़े में दही को बांधकर कुछ देर के लिए लटका दें। दही को फेंट लें और इसमें नमक मिलाएं।

एक गहरा बर्तन लें और इसमें पानी के साथ नमक डालें। अब सभी गुजिया को पानी में भिगो दें। जब गुझिया पानी में 15.20 मिनट बाद तैरने लगे तो उन्हें बाहर निकाल लें और हल्के हाथों से दबाकर पानी निचोड़ लें। सर्विंग प्लेट में दही के साथ गुजिया को लगाएं। हरी चटनी और मीठी चटनी फैलाएं और भूना जीरा, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक और चाट मसाला डालें।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

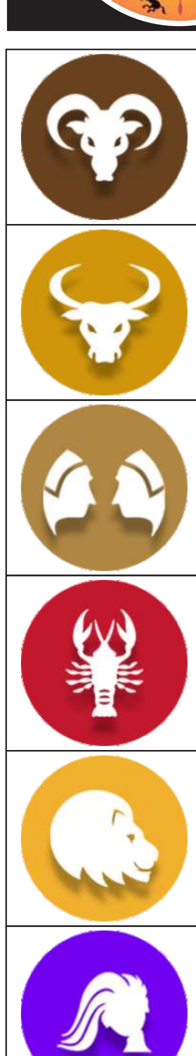

मेष : सप्ताह की शुरुआत यात्रा से हो सकती है। पारिवारिक या व्यावसायिक कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। इस सप्ताह आप जैसा चाहेंगे वैसा होने में संदेह है। दूसरों के अनुसार चलना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अचानक पैसों की आवश्यकता पड़ सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ : आर्थिक सामाजिक दृष्टि से सप्ताह महत्वपूर्ण है। बड़े फैसले लेने का समय है। संकटों से निजात पाने के लिए किसी की मदद जरूर लें। कार्य-व्यवसाय को रफ्तार देने के प्रयास करें। पारिवारिक सहयोग प्राप्त रहेगा, लेकिन आपको तेजी से निर्णय लेना पड़ेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। चिंता और तनाव परेशान करेगा।

मिथुन : मान-सम्मान, प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अटके हुए कार्यो को गति मिलेगी। नए कार्य-व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी और उसे पूरा करने में सफल भी होंगे। महिलाओं के लिए सप्ताह महत्वपूर्ण है। नौकरीपेशा को बड़े पद ऑफर होंगे। व्यावसायिक गतिविधियां तेज होंगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जाने का मन बनेगा।

कर्क : पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उन्नतिदायक है। संपत्ति के अटके हुए काम हो जाएंगे। कार्य में परिवर्तन, स्थान में बदलाव होने की संभावना है। व्यापार में तेजी-मंदी का दौर थमेगा और आप एक स्थायित्व की ओर बढ़ेंगे। मानसिक शांति प्राप्त होगी। संतान पक्ष की चिंता दूर होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। रोगों से मुक्ति मिलेगी।

सिंह : पराक्रम, प्रतिष्ठा और संपन्नता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को बदलाव का सामना करना पड़ेगा लेकिन यह बदलाव शुभ दिशा में होगा। युवाओं को बड़े जॉब ऑफर हो सकते हैं। नया वाहन खरीदने के योग हैं। पैतृक संपत्ति प्राप्त होगी। शेयर मार्केट, कमोडिटी बाजार में लाभ के संकेत हैं। भाई-बहनों के साथ किसी बात पर मतभेद होने के संकेत हैं।

कन्या : स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। कमर दर्द, जोड़ों के दर्द की समस्या बनी रहेगी। मानसिक रूप से जरूर आप स्वस्थ और शांत रहेंगे। किसी बात पर परिजनों से मतभेद हो सकते हैं लेकिन उन्हें आपसी बातचीत से सुलझा लेंगे। नौकरीपेशा को उन्नति मिलने के संकेत हैं। कारोबारियों को कार्य विस्तार की दिशा मिलेगी।

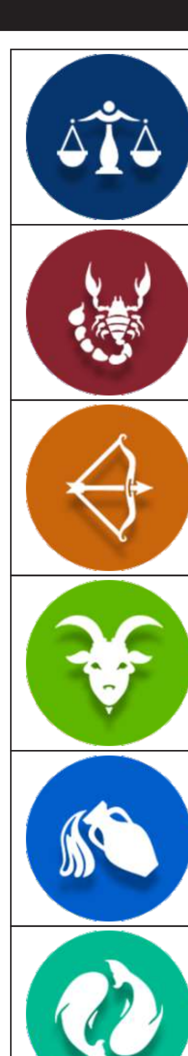

तुला : आर्थिक दृष्टि से सप्ताह शुभ है। परिवार के साथ पर्यटन का अवसर आएगा। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। संपन्नता प्राप्त होगी। नई प्रॉपर्टी खरीदने के योग हैं। अपने पुराने मकान का रिनोवेशन करने का काम शुरू होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खर्च में कमी आएगी और बचत बढ़ेगी।

वृश्चिक : ध्यान रखें, क्रोध न करें। किसी बात पर क्रोध आए तो उसे नियंत्रित करें अन्यथा बने बनाए काम बिगड़ सकते हैं। संपत्ति को लेकर विवाद उभरेगा लेकिन आपको धैर्य रखना होगा। पैसों की कमी महसूस हो सकती है और इसके कारण कुछ काम अटक भी सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय में ठहराव महसूस होगा।

धनु : आपके संयम, धैर्य और साहस की परीक्षा हो सकती है लेकिन आत्मविश्वास के दम पर आप हर परिस्थिति में विजेता की तरह उभरेंगे। सप्ताह भागदौड़ भरा जरूर रहेगा काम सही दिशा में होने के कारण आपमें एक अदम्य ऊर्जा का प्रवाह होगा। जीवन में आगे बढ़ना है तो ना कहने की आदत भी डालनी होगी।

मकर : सप्ताह में कार्यो को गति मिलेगी। अब तक जो कार्य आप करने से पीछे हट जाते थे या घबराकर छोड़ देते थे उन्हें पूरा करने की दिशा में बढ़ेंगे। किसी बात पर क्रोध आए तो किसी अच्छी बात के बारे में सोचें इससे मन बदलेगा। जीवनसाथी के साथ किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा कर उसका समाधान निकालेंगे।

कुंभ : सप्ताह मनोरंजन और पर्यटन में गुजरेगा। सप्ताह की शुरुआत में परिवार, जीवनसाथी या प्रेमी-प्रेमिका के साथ कहीं घूमने जाएंगे। घर-परिवार में आनंदोत्सव होगा। नाते-रिश्तेदारों से मिलना होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नए कार्य, व्यवसाय, नौकरी प्राप्त होगी। सामाजिक दृष्टि से कोई महत्वपूर्ण पद मिल सकता है।

मीन : सप्ताह में आपको अपनी सेहत और फिटनेस पर ध्यान देना होगा। ऊर्जावान बने रहने के लिए खानपान पर ध्यान दें। अच्छा साहित्य पढ़े, अच्छे लोगों की संगत करें। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। प्रेमी-प्रेमिका के साथ पर्यटन का अवसर आएगा। मानसिक शांति प्राप्ति होगी। बड़े काम संपन्न हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा।

**तबीयत खराब थी, ना कोई दवा काम आई,
ना कोई ताबीज काम आया...!
फोन कर के साली से बात की,
तब जाकर थोड़ा आराम आया...**

पत्नी मायके से वापस आई तो
पति दरवाजा खोलते हुए हंसने लगा...
पत्नी - ऐसे क्यों हंस रहे हो...?
पति - बाबा ने कहा था कि जब भी मुसीबत सामने आए उसका सामना हंसते हुए करो...!

नई दुल्हन ससुराल आई
सास - बहू, तुम्हें जो भी बनाना आता है जाकर बना लो
बहू- ठीक है मम्मी जी
सास- मुझे भी खिलाना देना...

थोड़ी देर में किचन से आवाज़ आई मम्मी जी, आपका भी सोडे के साथ बना दूं?

समय से पहले समाप्त हुआ संसद का बजट सत्र, लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

संसद का बजट सत्र बृहस्पतिवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया और इस दौरान लोकसभा में 114 प्रतिशत वहीं राज्यसभा में 90 प्रतिशत कामकाज हुआ। कोविड-19 महामारी के दौरान आम बजट के पेश होने के बाद उसे पारित करने का संसद का यह एकदम नया अनुभव रहा क्योंकि सत्र के दौरान कुछ समय दोनों सदनों की बैठक अलग अलग समय पर हुई तथा सदस्यों की बैठने की व्यवस्था भी कोविड दिशानिर्देशों को ध्यान में रखकर की गयी। सत्र के दूसरे चरण में दोनों सदनों की बैठक एक ही समय पर होने लगीं। सत्र की शुरूआत दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति अभिभाषण के साथ हुई। हालांकि कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी पार्टियों ने तीन नये कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे किसान आंदोलन को समर्थन देने के लिए राष्ट्रपति अभिभाषण का बहिष्कार किया था। बजट सत्र के पहले चरण में राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा हुई जिसका जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। सत्र के दौरान आम बजट के साथ जम्मू कश्मीर और पुडुचेरी से जुड़े विनियोग विधेयकों पर चर्चा कर उन्हें पारित किया गया।

दोनों सदनों में इस दौरान जो महत्वपूर्ण विधेयक पारित किये गये उनमें वित्त विधेयक के अलावा खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2021, संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश संशोधन विधेयक, 2021, बीमा (संशोधन) विधेयक, 2021, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2021 और नौचालन के लिए सामुद्रिक सहायता विधेयक, 2021 प्रमुख हैं। बजट सत्र में लोकसभा की 24 बैठकें हुईं जो कुल 132 घंटे तक चलीं। पीठासीन सभापति भर्तृहरि महताब ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देशानुसार और सदन के सदस्यों के सहयोग से 17वीं लोकसभा के अन्य सत्रों की भांति बजट सत्र में भी रिकॉर्ड कार्य हुआ। इस सत्र के दौरान 114 प्रतिशत कामकाज हुआ।

गौरतलब है कि लोकसभा अध्यक्ष बिरला कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण पिछले कुछ दिन से सदन की कार्यवाही संचालित नहीं कर रहे थे। महताब ने बताया कि इस बजट सत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए सभा 48 घंटे और 23 मिनट देर तक बैठी। लोकसभा में बैठक को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी सदन में मौजूद थे।

राज्यसभा में बजट सत्र के दौरान हुए कामकाज का लेखाजोखा प्रस्तुत करते हुए नायडू ने कहा कि सत्र के दौरान सदन में 90 प्रतिशत कामकाज हुआ जबकि व्यवधान के चलते लगभग 21 घंटे बर्बाद हुए। उन्होंने बताया कि सत्र के पहले चरण में कामकाज 99.6 फीसदी रहा जबकि दूसरे चरण में यह 85 फीसदी रहा।

PM मोदी का स्क्रू ढीला है, ग्रोथ गिर रही और उनकी दाढ़ी बढ़ रही है: ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल में कल पहले चरण के लिए वोटिंग होगी। उससे पहले राजनीतिक दलों के बीच सियासी तल्खी बढ़ गई है। आज मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी को लेकर विवादित बयान दिया है। एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यहां तक कह दिया कि पीएम मोदी स्क्रू ढीला है।

ममता बनर्जी ने कहा, "औद्योगिक विकास रुक गया है। केवल उनकी (पीएम नरेंद्र मोदी की) दाढ़ी बढ़ रही है। कभी-कभी वह खुद को स्वामी विवेकानंद कहते हैं और कभी-कभी अपने नाम के बाद स्टेडियम का नाम बदल देते हैं। उनके दिमाग में कुछ गड़बड़ है। ऐसा लगता है कि उनका पेंच ढीला है।"

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की जंग काफी रोचक होती जा रही है और पीएम नरेंद्र मोदी बनाम ममता बनर्जी हो चली है। कई बार खुद पीएम नरेंद्र मोदी अपनी रैलियों में ममता बनर्जी पर हमला बोल चुके हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक रैली में ममता बनर्जी के पैर में लगी चोट को लेकर भी कहा था कि हम तो भारत की सभी बेटियों का सम्मान करते हैं, फिर दीदी की अच्छी सेहत की कामना क्यों नहीं करेंगे। ममता बनर्जी की चोट को लेकर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने पिछले दिनों विवादित बयान देते हुए कहा था कि वह हर किसी को अपना पैर दिखाना चाहती हैं, जिसमें प्लास्टर चढ़ा है। उन्हें ऐसा करने के लिए बरमूडा पहन लेना चाहिए। दिलीप घोष ने पुरुलिया में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था, 'मुख्यमंत्री हर किसी को अपना पैर दिखाना चाहती हैं, जिसमें प्लास्टर चढ़ा है।

हरिद्वार कुंभ में शामिल होने के लिए कोरोना टेस्ट जरूरी, सीएम तीरथ के फैसले को हाईकोर्ट ने पलटा

देश में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में इसका असर हरिद्वार कुंभ पर भी नजर आने लगा है। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि कुंभ में आने वाले सभी लोगों को आरटी-पीसीआर टेस्ट की निगेटिव रिपोर्ट दिखाना जरूरी होगा। हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत के उस फैसले की निंदा है जिसमें उन्होंने बिना कोरोना टोस्ट के लोगों को कुंभ में आने की इजाजत दी थी।

उत्तराखंड हाईकोर्ट ने कुंभ मेले को लेकर दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए निर्देश दिया है कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए। इसके अलावा कोर्ट का कहना है कि जिन लोगों को वैक्सीन लग चुकी है यदि वह अपना सर्टिफिकेट दिखाते हैं तो उन्हें छूट मिल सकती है। बाकी सभी लोगों के लिए टेस्ट करवाना और निगेटिव रिपोर्ट होना अनिवार्य होगा।

तीरथ ने बदल था पूर्व सीएम का फैसला उत्तराखंड में इसी महीने कुंभ मेला शुरू हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कुंभ में आने वाले लोगों के लिए आरटी-पीसीआर निगेटिव रिपोर्ट को जरूरी किया था। हालांकि नए मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने पूर्व सीएम के फैसले को पलटते हुए कहा था कि कुंभ में कोई पाबंदी नहीं होगी। उन्होंने कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट की पाबंदी को हटा दिया था। उनके इस फैसले की काफी निंदा हुई थी। वहीं हाल ही में केंद्र से उत्तराखंड गई स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने चेतावनी दी थी और नियमों की लापरवाही की बात कही थी।

श्रीनगर: लावापोरा में सीआरपीएफ की पेट्रोलिंग टीम पर आतंकवादियों ने किया हमला, एक जवान शहीद

श्रीनगर, आतंकियों ने श्रीनगर जिले के लावापोरा इलाके में सीआरपीएफ की टीम को निशाना बनाकर हमला किया। इस हमले में सीआरपीएफ के चार जवान घायल हुए। इलाज के दौरान एक जवान शहीद हो गया। पुलिस के अधिकारियों ने एक जवान के शहीद होने की पुष्टि की है। बाकी तीन का इलाज चल रहा है। इस हमले के बाद पूरे इलाके को घेर कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। ताकि हमला करने वाले आतंकियों को पकड़ा जा सकेे।

अधिकारी ने बताया कि आतंकी हमले में लश्कर-ए-तैयबा शामिल है। पुलिस के आला अफसर भी मौके पर पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार, लावापोरा इलाके में सीआरपीएफ की टीम तैनात थी। तभी एकदम से वाहन पर सवार होकर आतंकी आए। आते ही उन्होंने चौक में तैनात जवानों पर हमला कर दिया। एकदम से फायरिंग की गई, जिसमें चार जवान घायल हो गए। हमला करने के बाद आतंकी मौके से भाग गए। हमले के बाद अफरा तफरी का माहौल हो गया। उसके बाद बाकी के जवान मौके पर पहुंचे। घायल जवानों को उठाकर इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया। लेकिन इलाज के दौरान एक जवान शहीद हो गया।

बाकी तीन का इलाज चल रहा है। पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी के माध्यम से आतंकियों की पहचान की जा रही है। ताकि पता चल सके कि आतंकी किस वाहन में सवार होकर आए थे। कई दिनों बाद श्रीनगर में इस प्रकार का हमला हुआ है। जिसमें जवानों को निशाना बनाया गया है। पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि दो जवानों की हालत खतरे में बनी हुई है। यह हिट एंड रन का मामला है। आतंकी एक दम से आए और हमला करके मौके से भाग गए।

निकिता तोमर हत्याकांड के दोनों दोषियों तौसीफ और रेहान को उम्रकैद की सजा

फरीदाबाद, फरीदाबाद के फास्ट ट्रैक ट्रायल कोर्ट ने आज निकिता तोमर हत्याकांड के दोनों दोषियों तौसीफ और रेहान को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इससे पहले कोर्ट ने बुधवार को तौसीफ और रेहान को निकिता की हत्या का दोषी ठहराया था जबकि मामले में एक आरोपी अजहरुद्दीन को बरी कर दिया। अजहरुद्दीन ने ही तौसीफ और रेहान को वह पिस्तौल मुहैया कराई थी जिससे निकिता का मर्डर किया गया।

अदालत ने सिर्फ 12 मिनट में सुनाया था अपना फैसला

फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज ने बुधवार को 12 मिनट तक अपना फैसला पढ़ा जिसमें उन्होंने हत्या के लिए देशी पिस्तौल उपलब्ध कराने वाले अजहरुद्दीन को आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने उसे सीआरपीसी की धारा 346 के तहत बेल बॉन्ड भरने को कहा। हालांकि, अगर अभियोजन पक्ष ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया तो अजहरुद्दीन को भी कोर्ट में मौजूद रहना होगा। बहरहाल, कोर्ट ने तौसीफ को धारा 302, 366, 511,34, 120बी और आर्म्स एक्ट के तहत दोषी करार दिया गया, साथ ही रेहान को भी आर्म्स एक्ट के अलावा इन सभी मामलों में दोषी पाया।

एग्जाम के दिन कॉलेज गई थी निकिता

मामला अक्टूबर 2020 का है जब 21 साल की बीकॉम फाइनल ईयर की निकिता तोमर को सरेराह गोली मार दी गई थी। निकिता उस दिन एग्जाम देने के लिए कॉलेज गई थी। तब तौसीफ और रेहान उसके पीछे पड़ गए थे। निकिता के परिजनों की मानें तो तौसीफ पिछले काफी समय से निकिता से जबरदस्ती दोस्ती करना चाहता था। उनका कहान है कि निकिता के लाख मना करने के बावजूद तौसीफ लगातार निकिता पर धर्म परिवर्तन करने और शादी करने का दबाव डाल रहा था।

यूपी में कोरोना के बढ़ते केस के बीच सीएम योगी ने जारी किया नया आदेश, जानिए क्या कहा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के विभिन्न राज्यों में कोरोना संक्रमण की वृद्धि को देखते हुए यूपी में सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ न जुटे इसके लिए पुलिस को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड अस्पतालों में सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इन अस्पतालों में पयार्प्त संख्या में चिकित्सा कर्मी, दवा, मेडिकल उपकरण तथा बैकअप सहित ऑक्सीजन का समुचित प्रबन्ध हर स्थिति में उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि कोविड हेल्प डेस्क की व्यवस्था को सुचारु ढंग से संचालित किया जाए। इन्फ्रारेड थमार्मीटर तथा पल्स ऑक्सीमीटर का उपयोग करते हुए लक्षणयुक्त व्यक्तियों को चिन्हित किया जाए। बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन तथा हवाई अड्डों पर यात्रियों की सघन कोविड जांच की जाए। संक्रमित पाए जाने पर ऐसे व्यक्तियों के लिए क्वारंटीन की व्यवस्था करते हुए इनके इलाज का प्रबन्ध किया जाए।

योगी ने कहा कि प्रतिदिन 1.50 लाख से अधिक कोविड-19 की टेस्टिंग की जाए। उन्होंने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को पूरी सक्रियता से संचालित करने के निदेर्श देते हुए कहा कि कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति के अधिक से अधिक कॉन्टैक्ट्स को चिन्हित करते हुए ऐसे लोगों की जांच कराई जाए।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में निगरानी समितियों के माध्यम से बाहर से आने वाले लोगों की जानकारी एकत्र की जाए।

इससे संक्रमित पाए गए ऐसे लोगों को क्वारंटीन करते हुए उनके उपचार की समुचित व्यवस्था करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि जनपद स्तर पर इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर को पूरी तरह क्रियाशील रखा जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रतिदिन सुबह कोविड चिकित्सालय में तथा शाम को इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर में बैठक करें। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से बचाव के सम्बन्ध में लोगों को निरन्तर जागरूक किया जाए।

मिर्जापुर में दर्दनाक हादसा: मोबाइल फोन की बैटरी फटने से बच्चे की मौत

मिर्जापुर में हलिया थाना क्षेत्र के मतवार गांव में शुक्रवार की सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। जोरदार धमाके से मोबाइल की बैटरी फटने से एक बच्चे की मौत हो गई। मोबाइल बैटरी ब्लास्ट होने से बच्चे के चेहरे का काफी हिस्सा धमाके की चपेट में आने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। बाबूलाल कोल मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। घटना के समय वह प्रयागराज जिले के हंडिया बरौत में मजदूरी करने के लिए गए हुए थे। परिजनों के अनुसार शुक्रवार सुबह मोनू के हाथ में स्मार्ट फोन था। वह मोबाइल बैटरी को लेकर चार्ज करने की कोशिश कर रहा था कि अचानक वह जोरदार धमाके से फट गई। इससे मोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। आननफानन उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हलिया ले गए लेकिन उसने दम तोड़ दिया। बच्चे की मौत की जानकारी मिलते ही कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार मोनू प्राथमिक विद्यालय मतवार में कक्षा तीन का छात्र था। परिजनों ने बताया कि सुबह मोबाइल की बैटरी बच्चे के हाथ में थी। वह चार्ज करते समय बैटरी को संभवत: खोलने की कोशिश में मुंह के करीब ले गया और दबाव पड़ने पर बैटरी पूरी तरह फट जाने से जबड़ा और चेहरे के आसपास का काफी हिस्सा उड़ गया। आननफानन बच्चे का खून से लथपथ चेहरा देखकर परिजनों के होश उड़ गए। जब तक बच्चे को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल बेहतर इलाज के लिए ले जाया जाता तब तक खून अधिक बहने से उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। मोनू तीन भाई बहनों में दूसरे नंबर पर था।

गाजीपुर: पांच किलो चावल के विवाद में महिला की पीट-पीटकर हत्या, दो की हालत गंभीर

गाजीपुरमें मात्र पांच किलो चावल के विवाद में एक महिला की पीट पीट कर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन ने हड़कंप मच गया। आननफानन मौके पर पहुंची पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला सुहवल थाना क्षेत्र के मलसा गांव का है। यहां पर मात्र पांच किलो चावल चोरी करने का आरोप लगाते हुए मारपीट शुरू कर दी गई। घटना में एक महिला ने दम तोड़ दिया और दो लोगों की हालत गंभीर है।

चावल चोरी करने का आरोप लगाते हुए दो चचेरे भाइयों की बीच मारपीट होने लगी। इसी दौरान बीच बचाव के लिए पहुंची पुतुल देवी (40) की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। गांव में मारपीट को लेकर हत्या की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक डा. ओपी सिंह मौके पर पहुंचे और शीघ्र आरोपितों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। इस मामले में पांच के खिलाफ नामजद एफआइआर दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार मलसा गांव निवासी दीनदयाल बिंद और लालचंद बिंद के बीच गुरुवार की देर शाम पांच किलो चावल चोरी होने को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। मारपीट के दौरान पुतुल देवी (40), मुन्नी (55) और लालचंद बिंद (50) गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से तीनों को ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान पुतुल देवी की शुक्रवार की भोर में मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक डा. ओपी सिंह रात में ही जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना और मलसा पहुंचकर घटना स्थल का जायजा भी लिया। मामले में पांच लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर पुलिस गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

दिनदहाड़े घर में घुसकर युवती की हत्या, हाथ पीछे बांधकर रेत दिया गला

बलिया में बांसडीह कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को दिनदहाड़े घर में घुसकर 19 वर्षीय युवती की गला काटकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना पर पहुंचे एसपी व सीओ ने पड़ताल शुरू कर दी है। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर जाकर जांच की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। फिलहाल हत्या का कारण नहीं पता चल सका है।मूल रूप से नगर पंचायत के वार्ड नम्बर एक के उत्तर टोला मुहल्ला निवासी तुलसी राम बांसडीह-सहतवार मार्ग पर सिथत कांशीराम आवासीय परिसर के 12वें ब्लाक की तीसरी मंजिल पर 144 नम्बर कमरे में पत्नी देवांती व बेटी राधिका उर्फ निक्की के साथ रहते हैं। दो बड़ी बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि दो बेटे लितेन्द्र व राधेश्याम दूसरे शहर में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं।

बताया जाता है कि शुक्रवार की सुबह पिता अपनी आंख की जांच कराने बलिया शहर चले गए थे। मां घास के लिए खेतों में चली गयी थी। घर पर अकेले राधिका ही थी। दिन में लगभग 12 बजे मां देवान्ती जब अपने आवास पर वापस लौटी तो कमरा खुला था। अंदर गई तो बेटी राधिका की खून से लथपथ लाश फर्श पर देखकर चीख पड़ी। राधिका का दोनों हाथ पीछे की ओर करके बंधा हुआ था और गला धारदार हथियार से काटा गया था। युवती का मोबाइल नहीं मिला है। माना जा रहा है कि हत्यारे युवती का मोबाइल अपने साथ ले गये हैं। सूचना मिलते ही एसपी डॉ. विपिन ताडा, सीओ दीपचन्द्र, कोतवाल राजेश सिंह के साथ ही फोरेंसिंक टीम मौके पर पहुंच गयी। एसपी ने बताया कि युवती की गला काटकर हत्या की गयी है। घटना की वजह समेत अन्य हालातों की पड़ताल की जा रही है।

SPORTS खेल जगत

IND vs ENG: सेंचुरी के बाद बोले केएल राहुल- किसी की बेइज्जती करना इरादा नहीं लेकिन यह जश्न बाहर का शोर बंद करने के लिए था

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल अपनी खराब फॉर्म से उबर चुके हैं। टी20 सीरीज में राहुल का बल्ला पूरी तरह से शांत रहा था और उनकी जमकर आलोचना भी की जा रही थी। वनडे सीरीज में राहुल ने अपने बल्ले से सभी आलोचकों की बोलती बंद कर दी है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में हाफसेंचुरी लगाने वाले राहुल ने दूसरे वनडे में 108 रनों की पारी खेली। राहुल ने इस पारी के बाद कहा कि वह किसी की बेइज्जती नहीं करना चाहते, लेकिन बाहर के शोर को बंद जरूर करना चाहते हैं।

विराट कोहली ने एक बार टेस्ट सेंचुरी जड़ने के बाद अपने आलोचकों को इशारों-इशारों में कहा था कि वह नहीं उनका बल्ला जवाब देगा और शुक्रवार को उनके साथी केएल राहुल ने भी कुछ ऐसा ही किया। राहुल ने सेंचुरी लगाने के बाद दोनों हाथ से अपने दोनों कान बंद कर लिए। राहुल ने 114 गेंदों पर 108 रन बनाए।उन्होंने पहले वनडे में नॉटआउट 62 रन बनाए थे। उन्होंने सेंचुरी पूरा करने के बाद ड्रेसिंग रूम की तरफ बल्ला किया और फिर अपने कान बंद करके इशारा किया कि उन्होंने टी20 सीरीज में असफलता के बाद आलोचनाओं पर ध्यान नहीं दिया था।राहुल ने भारतीय पारी खत्म होने के बाद कहा, 'यह (जश्न मनाने का तरीका) केवल शोर बंद करने के लिए था, किसी की बेइज्जती करने का इरादा नहीं था।' उन्होंने कहा, 'ऐसे लोग होते हैं जो आपको नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं, लेकिन आपको उनकी उपेक्षा करनी होती है।

रिकी पोंटिंग के बाद ODI क्रिकेट में ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बने विराट कोहली

भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे इंटरनेशनल मैच में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ निर्धारित 50 ओवर में छह विकेट पर 336 रन बनाए। कप्तान विराट कोहली ने इस दौरान 66 रनों की पारी खेली। इस सीरीज में यह विराट का लगातार दूसरा 50+ स्कोर था। इस पारी के दौरान विराट ने एक खास मुकाम भी हासिल कर लिया। वनडे इंटरनेशनल में नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए विराट ने 10,000 रनों का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसा करने वाले वह दुनिया के महज दूसरे बल्लेबाज हैं। विराट से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ऐसा करने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं।

रिकी पोंटिंग ने नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए 330 पारियों में 42.48 की औसत से 12662 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने 190 पारियों में 62.78 की औसत से 10046 रन बनाए हैं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में तीसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा हैं। संगकारा ने 238 पारियों में 9747 रन बनाए हैं। मैच की बात करें तो टीम इंडिया की ओर से केएल राहुल ने 108 रनों की पारी खेली।

India Vs England: विराट कोहली ने बनाया खास रिकॉर्ड, करियर में सातवीं बार किया ये कारनामा

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा वनडे मैच पुणे के एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत की तरफ से शिखर धवन और रोहित शर्मा ने पारी की शुरुआत की। पहले मैच में 98 रन बनाने वाले शिखर धवन दूसरे वनडे में जल्दी आउट हो गए। 4 रन के स्कोर पर रीस टॉप्ली ने धवन को स्टोक्स के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद रोहित शर्मा 25 रन बनाकर आउट हुए। विराट कोहली और केएल राहुल ने इसके बाद भारत की पारी संभाला।

विराट कोहली ने अपने करियर का 62वां अर्धशतक लगाया। विराट कोहली ने वनडे की अपनी पिछली चार पारियों में फिफ्टी लगाई है। करियर में सातवीं बार उन्होंने ये कारनामा किया है। भारत ने 50 ओवरों में 6 विकेट गंवाकर 336 रन बनाए। केएल राहुल ने भारत की तरफ से 108 रन बनाए। विराट कोहली ने 66 रन और ऋषभ पंत ने 77 रन बनाए। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। इंग्लैंड की तरफ से टॉम करन और रीस टोप्ले ने 2-2 विकेट लिए। आदिल राशिद और सैन करन को एक-एक विकेट मिला।

विराट कोहली ने पिछली चार पारियों में 89, 63, 56 और 50 रन बनाए हैं। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और एक छक्का लगाया। केएल राहुल के साथ उन्होंने 100 रन से अधिक की साझेदारी की। अपने करियर में विराट कोहली ने सातवीं बार लगातार चार मैचों में 50 रन से ज्यादा बनाए हैं। भारतीय टीम में इस मैच में एक बदलाव किया गया है। चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह ऋषभ पंत को मौका दिया गया है।

LIVE मैच में बेन स्टोक्स से हुई बड़ी गलती, अंपायर ने कप्तान जोस बटलर को दी चेतावनी

भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज का दूसरा मैच पुणे में खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने टॉस जीता और भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर ने भारतीय पारी के दौरान एक बड़ी गलती की, जिसके लिए ऑनफील्ड अंपायर ने उन्हें चेतावनी भी दी। दरअसल लाइव मैच के दौरान स्टोक्स गलती से गेंद पर लार लगाते नजर आए।

यह घटना चौथे ओवर की है, जब स्टोक्स को गेंद पर लार लगाते देखा गया। अंपायर नितिन मेनन और वीरेंदर शर्मा ने कप्तान जोस बटलर को चेताया। उन्होंने इसी ओवर में स्लिप में रीसे टॉपली की गेंद पर शिखर धवन का कैच भी लपका। कोरोना महामारी के बाद खेल बहाल होने पर आईसीसी ने गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्टोक्स को दूसरी बार यह चेतावनी मिली है। उन्होंने अहमदाबाद में पिंक बॉल से खेले गए टेस्ट के दौरान भी गेंद पर लार लगाया था। भारत ने सीरीज का पहला मैच 66 रनों से जीता था। दूसरे मैच के लिए टीम इंडिया के प्लेइंग XI में एक बदलाव किया गया। चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह टीम में ऋषभ पंत को शामिल किया गया।

फाइनल से पहले बदल सकता है सॉफ्ट सिग्नल आउट का नियम, विराट कोहली ने उठाए थे सवाल

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) इंटरनेशनल क्रिकेट में सॉफ्ट सिग्नल के नियम में संशोधन पर विचार कर रहा है। हाल ही में फील्ड अंपायरों के सॉफ्ट सिग्नल को लेकर काफी विवाद सामने आने के बाद ये खबरें सामने आई थीं कि आईसीसी इस नियम में बदलाव कर सकता है। इस समय चल रही खबरों के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने गुरुवार को हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में इस मुद्दे को सबके सामने उठाया। इस मामले में उन्हें बाकी सदस्यों का भी साथ मिला, जो इस बात से सहमत थे कि फील्ड अंपायर के सॉफ्ट सिग्नल आउट देने के नियम में बदलाव की जरूरत है।

दरअसल हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद में हुए चौथे टी-20 मुकाबले के दौरान अंपायर के सॉफ्ट सिग्नल की वजह से काफी विवाद देखने को मिला था। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज सैम करन की गेंद पर डेविड मलान ने फाइन लेग पर सूर्यकुमार यादव का कैच पकड़ा था, लेकिन गेंद जमीन को छूती हुई नजर आ रही थी और फील्ड अंपायर ने मामले को तीसरे अंपायर के पास भेजने से पहले सॉफ्ट सिग्नल के रूप में आउट करार दे दिया।

देश परदेश

बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच कैसे मनेगी होली और ईद, केंद्र सरकार ने राज्यों को दिया सख्ती का आदेश

एक तरफ देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर जोर पकड़ रही है तो दूसरी तरफ होली से ईद तक कई त्योहार भी आने वाले हैं। ऐसे में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लेटर लिखकर कई निर्देश दिए हैं और कोरोना प्रॉटोकॉल का पालन कराने को कहा गया है। केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि त्योहारों के दौरान भीड़ को नियंत्रित रखा जाए और मास्क और सोशल डिस्टेंशिंग जैसे नियमों का पालन कराया जाए।

केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्यों को लिखी चिट्ठी में कहा कि त्योहारों के दौरान भीड़ पर नजर रखें और इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उटाए जाएं। कोरोना नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। गृह सचिव ने राज्यों के मुख्य सचिवों के नाम लिखी चिट्ठी में कहा है, "आप जानते हैं कि देश एक अहम मोड़ से गुजर रहा है, क्योंकि कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोविड-19 के केस तेजी से बढ़ रहे हैं।

स्थिति के आकलन के बाद गृह मंत्रालय ने 23 मार्च को गाइडलाइंस जारी की थी। इसमें जोर दिया गया था कि टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट प्रोटोकॉल को सख्ती से लागू किया जाए।" आगे उन्होंने लिखा, ''आगामी त्योहारों होली, शब-ए-बारात, फसलों से जुड़े त्योहार, ईस्टर, ईद उल फितर आदि के मद्देनजर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन भीड़ को नियंत्रित करें और कोरोना नियमों का पालन कराया जाए, जैसे कि मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंशिंग का ध्यान रखा जाए।

इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से भी लेटर जारी किया गया है।"

देखें, कैसे आग में फंसे तीन लोगों को बचाने के लिए 'स्पाइडरमैन' बने पुलिसकर्मी

जाको राखे साइयां, मार सके न कोय वाली कहावत आज दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में सच साबित होती दिखी। यहां एक घर में लगी आग के दौरान दिल्ली पुलिस का एक जवान फिल्मी किरदार 'स्पाइडरमैन' की तरह ग्रिल के रास्ते बालकनी तक जा पहुंचा और आग में फंसे तीन लोगों को सुरक्षित बचा लिया।

राजधानी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 में शुक्रवार सुबह एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के काम में जुट गईं इस दौरान कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस और दमकल कर्मियों ने इमारत के थर्ड फ्लोर पर फंसे एक परिवार के 3 लोगों को पीछे की ग्रिल तोड़कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुबह छह बजकर 55 मिनट पर घर की दूसरी और तीसरी मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली थी। आग इमारत की दूसरी मंजिल से शुरू होकर तीसरी मंजिल तक फैल गई थी।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अतुल कुमार ठाकुर ने कहा कि अमित सुधाकर (56), उनकी पत्नी शालिनी (48) और मां सुधा (87) तीसरी मंजिल की बालकनी में फंसी हुई थीं, जो लोहे की ग्रिल से बंद थी।

पुलिस ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और दमकल विभाग के कर्मियों की मदद से लोगों को बचा लिया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग की टीम आग का कारण जानने की कोशिश कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली को यमुना के पानी की आपूर्ति पर 6 अप्रैल तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पंजाब, हरियाणा की सरकारों और अन्य को यह निर्देश दिया कि दिल्ली को यमुना नदी के पानी की आपूर्ति पर 6 अप्रैल तक यथास्थिति बरकरार रखी जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जल संकट का सामना कर रही दिल्ली की जलापूर्ति कम न की जाए।

चीफ जस्टिस न्यायाधीश एस.ए. बोबड़े, जस्टिस ए.एस. बोपन्ना और वी. रामासुब्रमण्यम की बेंच ने कहा कि वह होली की छुट्टी के बाद 6 अप्रैल को मामले की सुनवाई करेगी। बेंच ने कहा कि हमने गुरुवार को यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया था। हम इसे जारी रखना चाहेंगे। हम होली की छुट्टियों के बाद मंगलवार 6 अप्रैल को इस मामले को देखेंगे तब तक दिल्ली को पानी की आपूर्ति में कटौती नहीं की जानी चाहिए।

हरियाणा की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने कहा कि उन्होंने पानी की आपूर्ति में कोई कटौती नहीं की है। इस मामले में एक पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने सुनवाई के दौरान दावा किया कि जल स्तर छह फीट नीचे चला गया है।

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा दायर याचिका में सुप्रीम कोर्ट से हरियाणा सरकार को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि वह यमुना में अशोधित प्रदूषकों को डालना रोके तथा दिल्ली के लिए पर्याप्त पानी छोड़े।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 26 मार्च तक के लिए यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश था।

कोर्ट ने इस पर हरियाणा, पंजाब और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) को नोटिस जारी कर उनसे याचिका पर जबाव दायर करने को कहा था।

दिल्ली जल बोर्ड के वकील ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में जलस्तर नीचे गिर गया है। इस दौरान हरियाणा के वकील ने हालांकि कहा कि पूरी जलापूर्ति की गई है।

दिल्ली जल बोर्ड के वकील ने दलील दी कि हरियाणा के मुताबिक कुछ मरम्मत का काम चल रहा है और नहर की मरम्मत का काम मार्च और अप्रैल में नहीं किया जाना चाहिए जब पानी की मांग अपने चरम पर होती है।

पाकिस्तान जाकर सैन्य अभ्यास में हिस्सा लेगी भारतीय सेना? जानें- क्या है आर्मी का जवाब

पाकिस्तान में होने जा रहे बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में भारतीय सेना के शामिल होने की अटकलों के बीच भारतीय सेना ने शुक्रवार को कहा कि इसको लेकर अभी तक कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। पाकिस्तान में यह सैन्य अभ्यास संघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) की ओर से आयोजित किय जाएगा, जिसका भारत भी सदस्य है।

पिछले कुछ दिनों से इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या भारतीय सेना 'पाब्बी-एंटीटेरर 2021' नाम के इस सैन्य युद्धाभ्यास में शामिल होगी या नहीं। भारतीय सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इंडिया टुडे टीवी से कहा, "पाकिस्तान में होने जा रहे एससीओ युद्धाभ्यास को लेकर अभी हमें कोई प्रस्ताव नहीं मिला है।" यह अभ्यास सितंबर-अक्टूबर में पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा के नौशहरा जिले के पाब्बी में होने जा रहा है।

इस बीच पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पाकिस्तान ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि भारत को आमंत्रित किया जाएगा या नहीं।

अपहत होने का दावा करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे तीन बांग्लादेशी नागरिक, जानिए क्या है पूरा मामला?

एक नाबालिग सहित तीन बांग्लादेशी युवकों ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर उन्हें अपने देश भेजने की व्यवस्था करने का केंद्र सरकार को निर्देश देने का आग्रह किया है। उन्होंने दावा किया कि उनके देश से कथित तौर पर उनका अपहरण कर लिया गया और यहां लाया गया।

इस मामले को बुधवार को न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन न्यायाधीश द्वारा अदालत नहीं लगाने के कारण याचिका को 13 अप्रैल तक स्थगित कर दिया गया।

तीन युवकों की तरफ से दायर याचिका के मुताबिक, वे चार मार्च 2021 को एक परिचित के साथ भारत-बांग्लादेश की सीमा देखने गए थे, जिसने सीमा के नजदीक पहुंचने पर उन्हें कुछ खाने के लिए दिया। वकील कमलेश कुमार मिश्रा, ऋतु मैती और अभिषेक आनंद के जरिए दायर याचिका के मुताबिक, उसे खाने के बाद तीनों बेहोश हो गाए और 10 मार्च को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उनकी नींद खुली।

साधना वर्मा, आमिर शेख और शहीद मल्ल्या का म्यूज़िक वीडियो "अपनी कहानी" हुआ लॉन्च

मुम्बई में हुए एक शानदार इवेंट में कॉमेडियन सुनील पाल जावेद हैदर, टिक टोक स्टार एंजेल राय और संगीतकार दिलीप सेन के हाथों शाहिद माल्या, आमिर शेख और साधना वर्मा का गाया हुआ म्यूज़िक वीडियो "अपनी कहानी" लॉन्च हुआ। निर्देशक आज़ाद हुसैन द्वारा डायरेक्ट किए गए इस म्यूज़िक वीडियो को टी सीरीज ने रिलीज किया है। किसी फिल्मी गाने की तरह भव्य ढंग से शूट किए गए इस वीडियो में आमिर शेख, सायेशा सहगल, मानसी एलेन और मोहित गायकवाड़ नज़र आ रहे हैं, आमिर शेख न सिर्फ इस गीत को बड़ी खूबसूरती से गाया है बल्कि इसके वीडियो में भी वह बहुत इम्प्रेसिव दिख रहे हैं।

आपको बता दें कि इसके गीतकार व संगीतकार ज़ाकिर सदानी हैं। सिनेमाटोग्राफी सुहास राव ने की है। इसका पोस्टर शिवम निर्मल ने डिजाइन किया है। आमिर शेख ने कहा कि इस सिंगल गाने में संगीत के तीन रंग हैं, इसमे थोड़ा रोमांटिक एंगल भी है, थोड़ा सैड पोर्शन भी है और थोड़ा सूफियाना रंग भी है इसलिए इसमें तीन सिंगर्स हैं। साधना वर्मा ने इसमे रोमांटिक पार्ट गाया है जबकि मैंने इसमे रॉक स्टाइल अपनाया है, वहीं शाहिद माल्या ने भी इस गाने में अपनी आवाज़ का जादू जगाया है।

साधना वर्मा ने भी इस गाने में अपनी आवाज का जादू बिखेरा है साधना वर्मा ने बताया की मैंने कभी ख्वाब में भी नहीं सोचा था की मेरी गाना कभी इस तरह से लांच होगा, इसका श्रेय आमिर शेख को जाता है जब मैं आमिर शेख से मिली तो उन्होंने मेरी अवाज़ सुनी तो उन्हें मेरी अवाज़ बहुत पसंद आई, उस वक़्त आमिर शेख और ज़ाकिर सदानी एक गाने पे काम कर रहे थे, तो उन्होंने मुझे कुछ लाइन्स गाने को कहा, जब मै वो गाना गाई तो मैंने सोचा ऐसे ही मेरी वॉइस टेस्ट कर रहे है और फाइनल शायद कोई और सिंगर से रिकॉर्ड होगा,

गाना रिलीज़ होने के कुछ दिन पहले ही मुझे पता चला की गाने में मेरी ही वॉइस फाइनल है तो मुझे बहूत ख़ुशी हुई !

लंबे ब्रेक के बाद बॉलीवुड में लौट रहीं प्रियंका चोपड़ा, बताया- कब आ रही है फिल्म

प्रियंका चोपड़ा पिछले काफी समय से भारत में नहीं हैं। बॉलीवुड में प्रियंका के फैन्स उनकी अगली हिंदी फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। अब प्रियंका ने बता दिया है कि वह कब अगली बॉलीवुड फिल्म करने जा रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा अब इंटरनैशनल स्टार बन चुकी हैं। पिछले काफी समय से प्रियंका भारत भी नहीं आई हैं। बॉलिवुड में प्रियंका के फैन्स उनकी अगली हिंदी फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। पिछली बार प्रियंका चोपड़ा फिल्म 'द स्काई इज पिंक' में नजर आई थीं जिसमें उनके साथ फरहान अख्तर और जायरा वसीम नजर आए थे। यह फिल्म अक्टूबर 2019 में रिलीज हुई थी और तभी से प्रियंका के फैन्स उनकी बॉलिवुड मूवी का इंतजार कर रहे हैं। अब प्रियंका ने बता दिया है कि वह कब अगली बॉलिवुड फिल्म करने जा रही हैं।

प्रियंका ने हाल में अपने फैन्स के साथ ट्विटर पर क्यूएनए सेशन रखा। प्रियंका ने ट्वीट करके अपने फैन्स को इस सेशन में इन्वाइट किया। उन्होंने लिखा, 'सेट पर ब्रेक ले रही हूं। कौन जल्दी से सवाल पूछने आ रहा है।' इसके बाद प्रियंका के फैन्स ने उनसे काफी सवाल पूछे। इसी सेशन में एक फैन ने पूछा कि प्रियंका की अगली बॉलिवुड मूवी कब आएगी तो इसके जवाब में प्रियंका ने लिखा, 'अगले साल'।

वैसे बता दें कि प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं। हाल में उन्होंने अपनी मॉडलिंग के दौर की एक तस्वीर शेयर की थी जिसमें वह केवल 19 साल की थीं। इस तस्वीर को फैन्स ने काफी पसंद किया था। इस फोटो में प्रियंका बिकीनी टॉप के साथ लो-वेस्ट पैंट्स में दिखाई दे रही थीं। इस बीच वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका की कुछ दिनों पहले फिल्म 'द वाइट टाइगर' रिलीज हुई थी जिसमें वह राजकुमार राव के साथ नजर आई थीं। प्रियंका ने यह फिल्म को-प्रड्यूस भी की थी। अब वह अपनी अगली फिल्म 'टेक्स्ट फॉर यू' में नजर आएंगी। इसके अलावा वह कियानू रीव्स के साथ 'मैट्रिक्स 4' में भी नजर आएंगी।

'सीता' बनीं आलिया के बाद RRR के Ramaraju का First Look रिलीज, 'द कपिल शर्मा शो' की वापसी हुई कन्फर्म

इन दिनों बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों को लेकर जबरदस्त चर्चाएं हैं। वहीं इस बीच एसएस राजामौली की आने वाली मोस्ट अवेटेड फिल्म RRR खबरों में छा गई है। बीते दिनों इस फिल्म से आलिया भट्ट का पहला लुक रिलीज हुआ था। R R R आलिया के लुक को जबरदस्त तारीफें मिली थीं। वहीं अब इस फिल्म से साउथ सुपरस्टार राम चरण का फर्स्ट लुक सामने आया है। RRR में राम चरण की पहली झलक ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इस पोस्टर में वो धनुष-बाण लिए दिखाई दे रहे हैं।

कपिल शर्मा के फैन्स के लिए गुड न्यूज है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'द कपिल शर्मा शो' फिर से शुरू होने जा रहा है। कपिल शर्मा बीती फरवरी को पिता बने हैं। इसके बाद उन्होंने पैटर्निटी लीव ले ली थी और शो ऑफ एयर हो गया था। इस वजह से कपिल शर्मा के फैन्स निराश थे। अब खबर आ रही है कि शो मई में फिर से शुरू होने जा रहा है। कृष्णा अभिषेक ने इस खबर की पुष्टि की है। वहीं कपिल ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है जिसमें नए ऐक्टर्स और राइटर्स को काम देने का भी जिक्र है।

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मिलिंद सोमन 55 की उम्र में अपनी शानदार फिटनेस को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। वहीं वो अपनी सेहत और फिट बॉडी का ख्याल रखने के लिए काफी मेहनत करते नजर आ जाते हैं। लेकिन 25 मार्च को उन्होंने जब सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी को वो कोरोना संक्रमित पाए गए हैं तो सभी हैरान रह गए। वहीं हैरान तो खुद मिलिंद सोमन भी हैं कि उन्हें आखिर कोरोना हुआ कैसे? अपने लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की है।

अमिताभ बच्चन और रणबीर कपूर जैसे स्टार्स के साथ काम करने वाली सुचिस्मिता, अब गरीबी में बेच रहीं मोमोज

चकाचौंध से भरी बॉलीवुड इंडस्ट्री से जुड़े लोगों की जिंदगी में 2020 जैसे एक बड़ा तूफान लेकर आया। जहां एक तरफ फिल्मों की शूटिंग बीच में ही बंद कर दी गई, वहीं दूसरी तरफ इसकी वजह से कई लोगों को अपने कमाई के सोर्स से हाथ धोना पड़ा। हम बात कर रहे हैं कैमरे के पीछे काम करने वाली टीम की। हाल ही में एक 22 वर्षीय कैमरापर्सन सुचिस्मिता राउतराय की कहानी जबरदस्त चर्चा में आ गई है। जिन्हें लॉकडाउन में आर्थिक तंगी ने इस कदर मजबूर कर दिया कि उन्हें मोमोज बेचकर गुजारा करना पड़ा। उन्होंने अपनी ये स्टोरी खुद ही शेयर की है। सुचिस्मिता राउतराय फिल्मों में बतौर एसिस्टेंट कैमरापर्सन काम कर रही थीं और एक दिन सिनेमैटोग्राफर बनना चाहती थीं।

लेकिन कोरोना वायरस की वजह से उनकी जिंदगी बदल गई। इंडिया टुडे से बातचीत के दौरान सुचिस्मिता ने बताया कि मजबूरी में उन्हें मुंबई से उडीसा के Cuttack स्थित अपने घर वापस आना पड़ा। यहां पर अब वो गली-गली मोमोज बेचकर कमाी कर रही हैं। विश्वमारी की वजह से सुचिस्मिता की बॉलीवुड की जॉब हाथ से चली गई। लॉकडाउन में जॉब नहीं होने की वजह से 8 महीनों में उनकी सारे बचे हुए पैसे खत्म हो गए। उनके पास घर जाने तक को पैसे नहीं थे। ऐसे वक्त में अमिताभ बच्चन और सलमान खान ने आगे आकर क्रू मेंबर्स की मदद की। जिसके लिए सुचिस्मिता उनकी आभारी हैं। घर आने के बाद सुचिस्मिता के बाद उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा।

उन्होंने अपने पिता को बचपन में ही खो दिया था और अपनी मां के साथ रहती हैं। पैसों की तंगी के कारण उन्होंने गली-गली मोमोज बेचने का फैसला किया। जिसकी रेसिपी उन्होंने मुंबई की अपनी रूममेट से ली थी। सुचिस्मिता बताती हैं कि वो दिन में 300 से 400 रुपए कमा लेती हैं।

DMK लीडर डिंडीगुल के कॉमेंट पर भड़कीं सोना महापात्रा, महिलाओं के 'फिगर' पर दिया था विवादित बयान

सिंगर सोनामहापात्रा ने डीएमके लीडर डिंडीगुल लियोनी के विवादित बयान पर गुस्सा जताया है। लियोनी तमिलनाडु से कैंडिडेट हैं। एक कैंपेन के दौरान उन्होंने महिलाओं की बॉडी पर कॉन्ट्रोवर्शियल बयान दिया था। डिंडीगुल ने कहा था कि देश की मॉडर्न औरतें अब '8' नंबर के शेप की तरह नहीं दिखतीं क्योंकि वे विदेशी गाय का दूध पीती हैं। सोना महापात्रा ने ऐसे कॉमेंट करने वाले लीडर्स को मूर्ख कहा है।

सोना महापात्रा ने बयान को बताया मूर्खतापूर्ण

सोना ने ट्वीट किया है, तमिलनाडु से लेकर उत्तराखंड तक कई इनके बीच और बाहर भी होंगे, मूर्खों को सेक्सिम और महिला विरोधी बीमारी गहराई से जोड़ती है। क्या ये मूर्खता वाकई लोगों को आकर्षित करती है? सस्ती हंसी के लिए कुछ भी या फिर सोच-समझकर पौरुष का खतरनाक जर्म फैलाने के लिए?

डिंडीगुल ने महिलाओं के फिगर पर किया था कॉमेंट

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, डिंडीगुल लियोनी ने एक कैंपेन के दौरान कहा था, महिलाएं अपना शेप खोती जा रही हैं और टंकी जैसी लगने लगी हैं। लोग विदेशी गायों से दूध निकालते हैं। महिलाएं विदेशी गायों का दूध पीती हैं इस वजह से उनका वजन बढ़ रहा है। पुराने दिनों में महिलाओं के हिप्स 8 नंबर जैसे दिखते थे (कर्वी थीं)।

जब वे बच्चा गोद में उठाती थीं तो बच्चा हिप्स पर टिका रहता था। लेकिन अब टंकी जैसी हो गई हैं जिसकी वजह से महिलाएं बच्चा हिप्स पर कैरी नहीं कर पातीं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बयान पर मांग चुके माफी

इससे पहले उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने फटी जीन्स पर कॉमेंट किया था जिस पर काफी बवाल हुआ था।

सिद्धार्थ शुक्ला की शर्टलेस फोटो देख फीमेल फैन बोली-सेक्सी जान, बिग बॉस-13 विनर ने कुछ ऐसे किया रिएक्ट

टेलीविज़न इंडस्ट्री के स्टार एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला की एक फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इस फोटो में सिद्धार्थ शुक्ला शर्टलेस दिख रहे हैं। बिग बॉस सीजन 13 के विनर रह चुके सिद्धार्थ शुक्ला की इस फोटो को उनकी एक फीमेल फैन ने उन्हें टैग करते हुए गुड मॉर्निंग विश किया है। साथ ही साथ फैन ने एक्टर की इस फोटो को सेक्सी कहा है। अपनी फैन की इस पोस्ट पर सिद्धार्थ शुक्ला ने शानदार रिएक्शन दिया है। सिद्धार्थ शुक्ला की फैन फॉलोइंग लाखों में है जो सोशल मीडिया पर उन्हें फॉलो भी करती है। सिद्धार्थ शुक्ला के फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर, लाइक्स और कमैंट्स की बौझार किया करते हैं। वहीं आए दिन उनके फैन्स भी उनकी कई थ्रोबैक फोटो शेयर एक्टर से अपनी फीलिंग शेयर करते हैं। कुछ ऐसा ही एक बार फिर एक्टर के साथ हुआ है।

सिद्धार्थ शुक्ला ने फैन की पोस्ट का रिप्लाई करते हुए लिखा- नहीं यह तस्वीर इतनी सेक्सी नहीं है..... लेकिन गुड मॉर्निंग कभी भी आपके और सभी लोगों के लिए कम नहीं होगा। सिद्धार्थ शुक्ला के इस रिप्लाई के बाद और भी उनके फैन्स एक्टिव हो गए और उनके रिप्लाई को लाइक कर लगातार ट्वीट कर उनकी तारीफ कर रहे हैं।

एक्टर का यह रिप्लाई ट्विटर पर खूब वायरल हो रहा है। सिद्धार्थ शुक्ला ने वैसे कई शो में काम किया है लेकिन इनको सबसे ज्यादा पहचान बिग बॉस 13 के शो से मिली है। शो के दौरान उनकी पर्सनालिटी दर्शकों को काफी पसंद आई थी। इसी वजह से 'बिग बॉस 13' शो के विनर भी बने। शो जीतने के बाद सिद्धार्थ की पॉपुलैरिटी भी काफी तेजी से बढ़ गई।

कंगना रनौत संग सुलह की खबरों पर एक्स-बॉयफ्रेंड अध्ययन ने तोड़ी चुप्पी, बताया क्यों दिया था साथ

बॉलीवुड अभिनेता अध्ययन सुमन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। उन्होंने एक वक्त पर अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड कंगना रनौत पर चौंकाने वाले आरोप लगाए थे। वहीं इसके बाद 2020 में सुशांत सिंह राजपूत केस को लेकर जब कंगना के बाद अध्ययन ने भी एक ही बात कही तो मीडिया रिपोर्ट्स में कंगना और अध्ययन की सुलह के कयास लगाए जाने लगे थे। अब इन सभी कयासों पर खुद अध्ययन ने चुप्पी तोड़ी है। लेटेस्ट इंटरव्यू में कंगना से रिश्तों पर बात करते हुए उन्होंने सुलह की बात से साफ इनकार कर दिया है।

अध्ययन सुमन का कहना है कि भाग्य के फेर से सुशांत केस में उनकी राय कंगना से मेल खाती थी। उन्होंने कहा 'एक ही साइड' में होने का मतलब ये नहीं है कि उनके रिश्ते सुधर गए हैं। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में अध्ययन ने कहा- 'मुझे नहीं लगता कि सदमे भरे दौर में सुशांत सिंह राजपूत को लेकर दिया गया मेरा बयान, उनके साथ चीजें सुधारने के लिए था। इन सबमें ऐसी सोच भी शामिल नहीं थी। और ये मजह मानवीय तौर पर एक साथ आने की बात थी जिस पर हम सब यकीन करते हैं'।

उन्होंने कहा- 'हम सभी जानना चाहते थे कि सुशांत जैसे इंसान... क्या हुआ, आज तक हमें नहीं पता। हमने कोशिश की, मेरे पिता ने, कंगना ने और कई अन्य लोगों ने भी कोशिश की, अपनी आवाज उठाई। जब हम अपने बीच के मतभेद भुलाकर एक साथ आवाज उठाते हैं, तभी हल निकलता है'।

इससे पहले इंडिया टीवी से बातचीत के दौरान अध्ययन ने कहा था 'मैंने 12 सालों में कंगना को फॉलो नहीं किया है। वो मशहूर और सफल एक्टर हैं। अगर उसने सबके सामने आकर अपना दर्द सुनाने का फैसला किया है कि तो जरूर इसके पीछे कोई कारण होगा।

मिलिंद सोमन हैरान हैं कैसे हुआ कोरोना, निगेटिव रिपोर्ट के बाद वर्क फ्रॉम होम करते हुए अचानक...

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मिलिंद सोमन 55 की उम्र में अपनी शानदार फिटनेस को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। वहीं वो अपनी सेहत और फिट बॉडी का ख्याल रखने के लिए काफी मेहनत करते नजर आ जाते हैं। लेकिन 25 मार्च को उन्होंने जब सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी को वो कोरोना संक्रमित पाए गए हैं तो सभी हैरान रह गए। वहीं हैरान तो खुद मिलिंद सोमन भी हैं कि उन्हें आखिर कोरोना हुआ कैसे? अपने लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की है।

अचानक दिखने लगे ये लक्षण

मिलिंद सोमन ने क्वारंटाइन के चौथे दिन पर अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा- 'ये कहना मुश्किल है कि मैं इनफेक्ट कैसे हुआ और किससे हुआ। 18 मार्च को जब मैं दिल्ली से वापस आया था तो मेरी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। मैं तब से घर से ही काम कर रहा हूं केवल रोज बाहर दौड़ने जाता हूं, लेकिन मुझे 23 मार्च को एनर्जी में कुछ कमी लगी। मुझे हल्का सिरदर्द था और शरीर का तापमान 98° तक बढ़ गया'।

पूरी तरह रहा सतर्क

उन्होंने आगे लिखा- 'मैंने एक फ्लाइट से पहले सरकार के निर्देशों के हिसाब से' अपना RTPCR टेस्ट 2020 में 4 सितंबर को करवाया था और मैं तब से मैं लगभग हर हफ्ते ट्रैवल कर रहा हूं। मैं अक्टूबर में यूएस भी गया था! मैंने RTPCR अब तक 30 बार करवा लिया है, ये एक रूटीन जैसे है। मैं पूरी तरह सतर्क था, हर जारी प्रोटोकॉल फॉलो कर रहा था। यहां तक कि अंकिता और मैं इस पर बात भी कर रहे थे, हमेशा यही सवाल था कि कब?'

बताया हेल्थ अपडेट

मिलिंद ने अपनी हेल्थ अपडेट देते हुए लिखा- 'आज जब मैं सुबह उठा तो मेरी पल्स 61, ऑक्सीजन 99 और तापमान 97.6 था'। वहीं मिलिंद की ये बात सुनकर उनके फॉलोवर्स भी हैरान हैं, सभी ने कमेंट के जरिए उनके जल्द से जल्द ठीक होने की दुआ की है।

उभरते कैरियर के रूप में इंटीरियर डिजाइन

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

इंटीरियर डिजाइन सुंदर सौंदर्यशास्त्र के साथ इनडोर स्थानों को आकार देने तथा हमारे अनुभव के बारे में है। इंटीरियर डिजाइनिंग के दायरे में क्लाइंट के इच्छित वातावरण बनाने के लिए वाणिज्यिक और घरों के डिजाइन निष्पादित करना शामिल है। प्रोफेशनल इंटीरियर डिज़ाइनर के पास स्पेस प्लानिंग, टेक्सटाइल्स, कलर स्कीम और एक परियोजना को प्रभावी ढंग से निष्पादित करने का तकनीकी ज्ञान होता है।

एक विकसित जीवन शैली और तेज़ गति वाले शहरीकरण के साथ, इंटीरियर डिज़ाइन का दायरा काफी बढ़ गया है, जिससे यह आज भारत में सबसे अधिक मांग वाले व्यवसायों में से एक है। बहुत से लोग आरामदायक और सुखी जीवन जीने के लिए इंटीरियर डिजाइन करने के लिए पेशेवरों पर भरोसा करते हैं।

संपत्ति की बढ़ती कीमतों के साथ, भारतीय घर छोटे होते जा रहे हैं और घर के मालिकों को लगता है कि इंटीरियर डिजाइनिंग के के माध्यम से समाधान मिल जाएगा।

इंटीरियर डिजाइन के लिए लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, इंटीरियर डिजाइनरों की मांग आने वाले वर्षों में काफी वृद्धि के लिए बाध्य है। डिजाइनिंग गुणों के बुनियादी ज्ञान के साथ कोई भी रचनात्मक और संवेदनशील व्यक्ति इंटीरियर डिजाइनर बन सकता है। इंटीरियर डिजाइन एक बहुआयामी क्षेत्र है और डिजाइनर अपनी रुचि के आधार पर विभिन्न मोर्चों पर काम कर सकते हैं। एक इंटीरियर डिजाइन कैरियर

बनाने के लिए स्थानिक जागरूकता, तकनीकी ज्ञान, आवश्यक महत्वपूर्ण कौशल है। डिजाइनरों को खर्च का पूर्वानुमान लगाने, बजट बनाने, छिपी हुई लागतों की पहचान करने, बातचीत करने और धन के कुशल उपयोग के लिए बहीखाते में अच्छा होना चाहिए। इंटीरियर डिजाइनर की वर्क प्रोफाइल में उनके पास उत्कृष्ट संचार कौशल होना चाहिए क्योंकि काम का एक प्रमुख हिस्सा विचारों को संवाद करना है। प्रभावी प्रक्रिया प्रबंधन, कार्यों के प्राथमिकताकरण और समस्या निवारण में अच्छा होना चाहिए। एक आंतरिक डिजाइनर को समय पर और नियत बजट में परियोजनाओं को पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।

आजकल एक पेशेवर इंटीरियर डिजाइनर और प्रोजेक्ट मैनेजर के रूप में कई रास्ते खुले हैं। यदि आप एक स्वतंत्र पेशेवर बनना चाहते हैं इंटीरियर डिजाइन निश्चित रूप से एक करियर विकल्प है जिसे आपको अवश्य आजमाना चाहिए।

एक पूर्ण पेशेवर इंटीरियर डिजाइनर के रूप में कैरियर बनाने के लिए, एक मान्यता प्राप्त और संबद्ध संस्थान से इंटीरियर डिजाइन में डिग्री बुनियादी आवश्यकता है। आप विभिन्न संस्थानों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से खोज कर सकते हैं जो इंटीरियर डिजाइन के क्षेत्र में डिग्री स्तर के कार्यक्रम पेश कर रहे हैं।

चुनाव करने से पहले वेबसाइट का अध्ययन करना और प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए संस्थान का दौरा करना उचित है। विस्तृत पाठ्यक्रम सामग्री मुंबई विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है, अधिक जानकारी के लिए आप tsap.mumbai.in पर देख सकते हैं।

जामनगर (गुजरात) की चांदनी वेगड़ वड़ोदरा में 'बेस्ट गायिकाअवार्ड' से सम्मानित

चांदनी वेगड़ को 'गुजरात सिने मीडिया अवार्ड' द्वारा 'बेस्ट गायिका'अवार्ड मिला

जामनगर/ वड़ोदरा (गुजरात): 'गुजरात सिने मीडिया अवार्ड – 2021' का आयोजन 20 मार्च 2021 को सिंगमा ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूट, वड़ोदरा (गुजरात) में आयोजित किया गया था। जिसका आयोजन अमित पटेल और कल्पेश पटेल द्वारा किया था। जिसमें गुजरात के जामनगर की रहनेवाली युवा और टैलेंटेट गायिका चांदनी वेगड़ को 'बेस्ट गायिका' का अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके परिवार के उनके बड़े भाई राज वेगड़, पिता कांतिलाल वेगड़ और उनकी माता अस्मिता वेगड़, दिलीप पटेल इत्यादि भी उपस्थित थे। अभी हाल में चांदनी वेगड़ को जामनगर में हुए सिंगिंग कम्पटीशन में ' कौन बनेगा जामनगर का कराओके किंग' में प्रथम पुरस्कार मिला था। गुजरात और मुंबई में कई गायन प्रतियोगिताओं हिस्सा ले चुकी है और बहुत से स्टेट लेवल की गायन प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 'हाई- स्पीड सिने इंटरनेशनल' बैनर तले एक हिंदी फीचर फिल्म 'लिविंग रिलेशन' के लिए बतौर गायिका साइन किया गया है, जिसकी रिकॉर्डिंग जल्द मुंबई में होगी। चांदनी वेगड़ ने अवार्ड कमिटी को धन्यवाद दिया । चांदनी जामनगर के श्री सत्य साई विद्यालय में 10वीं की पढ़ाई कर रही है। वे कहती है," जीवन में आप कुछ भी मुकाम हाशिल कर लो लेकिन जीवन के हर मुकाम पर पढाई बहुत जरुरी है। मैं दसवीं परीक्षा की तैयारी में व्यस्त हूँ। फ़िलहाल मेरा पूरा ध्यान पढाई पर लगाया है। एग्जाम के बाद फिर से गायन पर विशेष ध्यान दूंगी।"

KAANT FOODS®

Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

वृंदावन पृथ्वी का ह्रदय है, धड़कन है, स्पंदन है

हाथ से छूटे वह त्याग, ह्रदय से छूटे वह वैराग्य

मानस वृंदावन - दिन – ६

वैजयंती धाम – वृंदावन में पूज्य मोरारी बापू की व्यासपीठ से प्रकाशित हो रही "मानस-वृंदावन" के आज छट्ठे दिन कथारंभे इस विस्तार की सांसद सुश्री हेमामालिनी ने व्यासपीठ की वंदना की। और सब को होली की बधाई दी। तत्पश्चात उत्तराखंड की राज्यपाल महोदयाजी की विशेष उपस्थिति रही। आपने भी व्यासपीठ की वंदना के साथ अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। पूज्य बापू ने कहा कि कथा के केन्द्र में गौरांग महाप्रभुजी है। चैतन्य महाप्रभुजी ने विश्व को हरि नाम दिया, और हरि पर प्रेम रखने का संदेश दिया।

मानस में लिखा है-

धरम ते बिरती योग ते ज्ञाना। ज्ञान मोक्ष प्रद बेद बखाना।।

महाप्रभुजी ज्ञानी तो थे ही, पर सन्यास ले कर वेरागी बन गये।

जो हाथ से छूटे वह त्याग है और ह्रदय से छूटे वह वैराग्य हैं।

मानस और वृंदावन की साम्यता के संदर्भ में पूज्य बापू ने कहा कि रामजी वन गमन करते समय अपनी जटा बांधते है। तब सुमन्तजी रोते है। गौरांग महाप्रभु के सन्यासी बनते समय आपके सुशोभित घूंघराले बाल नीकलवा कर क्षौर कर्म करवाते समय नाई रो रहा है।पर चैतन्य महाप्रभु सही अर्थ में वेरागी है। वृंदावन में जो तेज है ऐसा तेज और तीर्थ से ज्यादा दिखता है। क्यूँ कि यहाँ कृष्ण प्रकट हुए थे। और कृष्ण चैतन्य ने नाम संकीर्तन से इस तीर्थ की महिमा बढाई है। वृंदावन पृथ्वी का ह्रदय है, धड़कन है, स्पंदन है।

बापू ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण का साक्षात विग्रह- हमें नाम दान देने के लिए, चैतन्य महाप्रभु के रुप में प्रकट हुआ था। महाप्रभु केवल त्यागी नहीं, वैरागी थे। परमात्मा कहते है कि जिससे मैं द्रवीभूत हो जाता हूँ, वह भक्ति है। भक्ति में भाव तो है ही, रस होना चाहिए। व्यासपीठ के पास औपचारिकता नहीं, अनुभूतियाँ होती है।

बुद्ध पुरुष कभी सत्ता के वश में नहीं होता और सत के वश में भी नहीं होते। बुद्ध पुरुष सूत से और सूत्र से मुक्त हो जाते हैं। बोध से आनंद प्रकट होता है। आनंद से शांति मिलती है। और शांति के बाद प्रेम प्रकट होता है। हमारा आखिरी लक्ष्य प्रेम है। जहाँ वृंद है, वहाँ वृंदावन है।

मानस और वृंदावन की समानता दिखाते हुए हुए बापू ने कहा कि बाल कांड में बाल राम के दर्शन के लिए स्त्री-पुरुषों का वृंद है इस लिए बाल कांड वृंदावन है। अयोध्या कांड में अवध की प्रजा के वृंद के वृंद राम वनवास के समय साथ साथ नीकल पडते है। इसलिए अयोध्या कांड वृंदावन है। अरण्य कांड में वनवासी और ऋषियों का वृंद है,इसलिये अरण्य कांड वृंदावन है। किष्किंधा कांड में सख्य भाव है- कृष्ण की जीवन यात्रा में गोप बाल, सुदामा, अर्जुन, उद्धव आदि से सख्य दिखता है। मानस में भी राम ने सुग्रीव से सख्य रखा है। इसलिए किष्किंधाकांड भी वृंदावन है। सुंदर कांड में विभूषण के घर तुलसीका वृंद है इसलिए सुंदरकांड वृंदावन है। लंका कांड में असुरों और वानरों का झुंड है इसलिए लंका कांड वृंदावन है। और उत्तर कांड में राजा राम के साथ स्वजन और नगर जनों का वृंद है। इसलिए उत्तर कांड भी वृंदावन है। आखिर में नाम ही सार है।

बापू ने कहा कि अगर हाथ में माला है, तो हाथ वृंदावन है। उंगलियों से माला फेरते है तो उंगलियां वृंदावन है। कंठ में तुलसी माला हो, तो कंठ वृंदावन है। ह्रदय में राम नाम है, तो ह्रदय वृंदावन है। आंख मुरलीधर के दर्शन में रोयें तो आंख वृंदावन हो जाती है। आखिरी आदमी को मदद करें – सेवा करें, उस के रोम रोम में वृंदावन है। वृंदावन केवल भूमि नहीं है, साधक की भूमिका है।

भगवान शंकर मानस कथा के प्रथम वक्ता है। शंकर के मस्तिष्क पर जटा है। हम गृहस्थी के माथे पर चिंता रुपी-आधि, व्याधि, उपाधि की जटा है। राम कथा के गान से जटा से चिंता नहीं, गंगा बहती है।शंकर के नेत्र विशाल है, मतलब- वक्ता का द्रष्टिकोण विशाल होना चाहिए। शंकर ने विष पान किया है,कंठ में विष होते हुए भी वाणी से राम कथा का अमृत बहाते है। विषम परिस्थिति ही विष है। इसे पी जाना विष पान है। बदनामी और नींदा का विष पी कर भी विश्व को अमृत देना। मस्तक पर दूज का चांद है – जो संकेत देता हे कि हम पूर्ण नहीं है। हमें अभी आगे बढना है-चौदहवीं तक। अगर पूर्ण हो गए तो राहु से ग्रसित होने का डर रहता है।

पूज्य बापू ने कथा के क्रम में प्रवेश करते हुए राम जन्म की कथा का सात्विक, तात्विक, वास्तविक गान करते हुए, आज वृंदावन में राम जन्म तक कथा को ले जा कर, आनंद विभोर वातावरण में अपनी वाणी को विराम दिया।

मानस वृंदावन - दिन – 7

होली के पावन पर्व पर जब पुरा वृंदावन कृष्ण प्रेम में रंगोत्सव मना रहे हैं, तब पूज्य मोरारी बापू की तलगाजरडी व्यासपीठ ने आज "मानस वृंदावन" के सातवें दिन की कथा का गान आरंभ करते हुए, नीरजजी की पंक्ति सुनाते हुए कहा कि – "यह मस्तों की प्रेम सभा है, यहाँ सम्भल सम्भल कर आना है।

बापूने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि "वृंदावन के सभी युवा कथाकार परस्पर स्नेहादर रखते है। एक साथ- ऐसे स्वर-संपन्न और मधुर-भाषी वक्ता का प्रकट होना, विश्व के लिए अच्छा सगुन है।"

महाप्रभुजी के दो भाव वृंदावन में देखे जाते है। एक तो भगवत् भाव और दूसरा भक्त भाव। आप के जो भी आश्रित, जिस भाव से भजते है, उसी स्वरूप में गौरांग प्रभु उसको दर्शन देते हैं। आप का एक शिष्य मुरारी- भगवान के वराह अवतार की उपासना करता था। उसे महाप्रभुजी ने वराह के रुप में दर्शन दिए। और किसीको नरसिंह रुप में तो किसी को नारायण रुप में दर्शन दिए थे।। कृष्ण चैतन्य महाप्रभुजी जब भक्त भाव में होते थे, तब पुरी तरह भक्ति भाव में डूब जाते थे। और भगवत भाव में होते थे, तब आश्रित का भाव देखकर भाव समाधि में डूब जाते थे।

दहशत से कुछ नहीं होता, मेहनत पैसा, पद, प्रतिष्ठा या विशेष पहचान- अगर हमारा भजन भंग कर सकें, तो ऐसा भजन व्यर्थ है।भक्ति में बाधा डाले, ऐसी सभी चीज त्याग देनी चाहिए।

जो जाना जाय, वह साधु नहीं! जो जाना जाय, उस की या तो प्रशंसा होती है, या निंदा! जैसे भगवान नहिं जाने जाते, वैसे भक्त भी नहीं जाने जाते।

भगवान राम नारदजी के पूछने पर साधु के लक्षण बताते है, पर आखिर में कह देते है-

"कही सक न शारद शेष नारद सुनत पद पंकज गहे।"प

एक उक्ति है कि – "साधु हंसे, तो भगवान फंसे।"

बापूने जोड़ दिया – "जो भगवान फंसे, तो माया खसे।"

बापू ने कहा कि – "अगर कोई साधु तुम्हारे सामने मुस्कुरा दे, तो समजना भगवान को भी आप के सामने देखना पडेगा! साधु की महिमा ही कुछ ओर है।"

द्रष्टि के प्रकार बताते हुए बापूने कहा कि एक है – धूम्रमयी द्रष्टि – जब धुंआ होता है, तो साधु को साफ रुप में नहीं देख पाओगे।।

दुसरी प्रकाशिनी द्रष्टि – साधु हमारे सामने देखें, तब अंदर ज्योत जल जाती है।

तीसरी है – पावनी द्रष्टि, जो हमें पवित्र कर दें।

चौथी है- व्यापिनी द्रष्टि, जिस में हमें सब में वही व्याप्त हुआ दिखाई देता है।

बापू ने कहा कि- "जो विशेषण मुक्त और विभूषण मुक्त हो, वही साधु को जान सकते है।"

गौरांग महाप्रभुजी ने अपने शिष्य मुरारी को, आपने चबाया हुआ पान दिया। जिसमें से मुरारी ने थोडा खाया और बाकी अपने बदन पर घीस दिया। .... और कहते है- वह पा गया!

बापू ने कहा कि सन्यासी प्रकाशानंद सरस्वती के 'मायावाद' के सामने मुरारी का 'पायावाद' परम को पा जाते है।

गुरु नानकदेव जिस सुख पाने की बात करते है, वह "नीजसुख" है। मानस में लिखा है- "नीज सुख बिनु मन होइ न धीरा।"

जहाँ हवा होती है, वहीं स्पर्श का अनुभव होता है। पवन नहीं होता तो स्पर्श का अनुभव नहीं होता। नीजता का सुख नहीं मिला, वह शांत नहीं हो सकता। और ऐसा सुख रहेमत से ही पा सकते है। रहमत नहीं होती, तो पाने के बाद भी पचा नहीं पाओगे।

हम भी कथा "स्वान्त:सुखाय" गाते है।

कथा के क्रम में प्रवेश करते हुए पूज्य बापूने कहा कि- "राम जन्म के बाद चारों ओर उजाला ही उजाला है। अंधेरा रहता ही नहीं। कुछ बातें जानी नहीं जाती, कुछ कुछ बातें श्रद्धा और विश्वास से मानी जाती है।"

'यह मेरा पंथ, वह तेरा पंथ' कहकर हम सनातन धर्म के पैर ही तोड़ते रहे है।

अयोध्या में चारों भाईयों का नामकरण संस्कार हुआ। बापूने कहा कि राम परमात्मा है। राम का नाम लेने वाला – सब को भर दें, सबका पोषण करे, किसी का शोषण न करे। रामनाम जपने वाले के दिल में किसी से शत्रुता नहीं होनी चाहिए, और रामनाम जपने वालों को दूसरों के आधार बनना चाहिये।

होशियारी छोड़ के, द्वेष छोड़ के, औरों की मदद कर के रामनाम का जाप हो, तभी नामस्मरण सार्थक है।

कुछ कुछ होता है। पर रहेमत से सब कुछ हो जाता है।

"हमारा सुख दुसरों पर अवलंबित है, इसलिए हमारा मन चंचल और अस्थिर रहता है। अगर मन को शांत करना चाहते हो, तो 'अचाह' हो जाओ!"

आज बापूने अढिया का आख्यान कर के सब को आनंद विभोर बनाया।

मनोज जोशी
(पत्रकार) महुवा – गुजरात

मुंबई सेशंस कोर्ट में अब दो शिफ्ट में होगा काम, कोरोना के चलते लिए फैसला

मुंबई में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सेशंस कोर्ट ने अब दो शिफ्ट में काम करने का फैसला लिया है। सेशन कोर्ट के प्रिंसिपल न्यायमूर्ति श्रीनिवास अग्रवाल ने इस बाबत आदेश जारी किया है। पहली शिफ्ट में सुबह 10:30 बजे से लेकर 1 बजे तक और दूसरी शिफ्ट में दोपहर 1:30 बजे से लेकर 4 बजे तक काम होगा। जबकि कार्यालय का काम कामकाज सुबह 10 से शाम 4:30 बजे तक किया जाएगा।

इन नियमों का पालन अनिवार्य

इस आदेश के मुताबिक यदि किसी मामले की सुनवाई में वकील,शिकायतकर्ता, गवाह या आरोपी उपस्थित ना हो तो उनके खिलाफ आदेश जारी ना किया जाए। किसी मामले की सुनवाई के समय वकील, आरोपी, गवाह कोर्ट रूम में आ सकते हैं। सुनवाई खत्म होने के बाद तत्काल केस से संबंधित लोगों को कोर्ट रूम से बाहर जाना होगा। अगला आदेश आने तक यह नियम कोर्ट में लागू है।

मुंबई में कोरोना के मामले

देश की आर्थिक राजधानी और मायानगरी मुंबई में कोरोना के मामलों की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। बीते 24 घंटों में मुंबई शहर में 5515 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 10 लोगों की मौत हुई है। मुंबई शहर में अब तक कुल 3 लाख 85 हज़ार 661 केस हो चुके हैं जबकि शहर में अब तक कुल 11हज़ार 633 लोगों की कोरोना के चलते मौत हुई है।

महाराष्ट्र में बढ़ता कोरोना का खौफ वहीं महाराष्ट्र भी कोरोना का हॉटस्पॉट बन चुका है। बीते बीते 24 घंटों में राज्य के अंदर 36हज़ार 902 नए कोरोना के मामले सामने आए हैं। जबकि एक दिन में 112 लोगों की मौत भी हुई है। राज्य में अब तक कोरोना के कुल मरीजों की संख्या 26लाख 37हज़ार 735 तक पहुंच चुकी है। जबकि अब तक कुल मौतों का आंकड़ा 53हज़ार 907 तक पहुंच चुका है। राज्य में कुल एक्टिव मरीजों की संख्या 2लाख 82हज़ार 451 है।

होली पर कोरोना का पहरा, 29 मार्च को संपूर्ण लॉकडाउन

नागपुर। बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए मनपा प्रशासन ने विविध पाबंदियां लगाई हैं। 28 और 29 मार्च को होलिका दहन, होली (रंगपंचमी) और शब-ए-बारात के अवसर पर भीड़ अनियंत्रित होने की आशंका के मद्देनजर संशोधित आदेश जारी कर सार्वजनिक रूप से उत्सव मनाने पर पाबंदी लगा दी गई है। इस कालावधि में पांच से अधिक व्यक्तियों के शासकीय, अर्धशासकीय कार्यस्थल पर इकट्ठे होने पर रोक लगा दी गई है। हालांकि, 27 और 28 मार्च को बाजार शाम 4 बजे तक खुला रहेगा। 29 मार्च को "संपूर्ण लॉकडाउन' रहेगा। निजी अस्थापना, कार्यालय, मार्केट व दुकानें, लाइब्रेरी, अध्ययन कक्ष, होटल, रेस्टोरेंट, भोजनालय में डाइनिंग सुविधा बंद रहेगी। पार्सल सुविधा शाम 7 बजे तक चालू रखी जा सकेगी। आवश्यक सेवा से संबंधित सब्जी, किराना, मांस, मटन, अंडे की दुकानें दोपहर 1 बजे तक खुली रखने की अनुमति दी गई है।

29 मार्च : यह बंद रहेगा, सभी निजी आस्थापना व कार्यालय बंद। दुकानें, मार्केट नहीं खुलेंगे। लाइब्रेरी व अध्ययन कक्ष बंद रहेंगे। होटल, रेस्टोरेंट, भोजनालय में डाइनिंग सेवा बंद - यह चालू रहेगा

होटल, रेस्टोरेंट, भोजनालय से पार्सल सुविधा शाम 7 बजे तक।

एकल (स्टैंड अलोन) सब्जी, किराना, मांस, मटन, अंडे की दुकानें दोपहर 1 बजे तक। एक जगह पांच से अधिक व्यक्ति इकट्ठे नहीं हो सकेंगे।

होलिकादहन, होली (रंग पंचमी), शब-ए-बारात का सार्वजनिक रूप से आयोजन नहीं कर सकेंगे।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।